mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-225 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
15 अगस्त 2026 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

समस्त देश-प्रदेशवासियों को स्वतंत्रा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं ।

अवकाश सूचना

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कार्यालय 15 अगस्त 2026 शनिवार को बंद रहेगा ।

अगला अंक दिनांक 17 अगस्त 2026 को प्रकाशित होगा।

संपादक

वांगचुक बोले- 2047 तक भारत विकसित देश नहीं बन पाएगा

नई दिल्ली,एजेंसी। एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने भारत की प्रति व्यक्ति आय का जिक्र करते हुए कहा कि अगर मौजूदा स्थिति जारी रही तो 2047 तक भारत विकसित देश नहीं बन पाएगा।

वांगचुक के मुताबिक श्रीलंका-बांग्लादेश जैसे देश भारत से आगे निकल चुके हैं। देश को सही नेतृत्व चुनने के लिए शांतिपूर्ण क्रांति की जरूरत है। उन्होंने गुरुवार देर रात एक वीडियो किया। इसमें उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी।

अकाल तख्त के पूर्व जत्थेदार के घर पर फायरिंग

अमृतसर, एजेंसी। अमृतसर के प्रताप नगर में अकाल तख्त साहिब के पूर्व जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह के घर पर कई राउंड फायरिंग की गई। घटना का पता उस समय चला, जब घर के बाहर खड़ी कार पर गोली लगने का निशान मिला और मौके से एक कारतूस भी बरामद हुआ। सीसीटीवी फुटेज में गोली चलने की आवाज रिकॉर्ड होने की भी बात सामने आई है। लेकिन फायरिंग करने वाले लोगों की स्पष्ट पहचान नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस कमिश्नर हरमनबीर सिंह गिल भी मौके पर पहुंचे।

आज लाल किले पर पहली बार सामूहिक रूप से गूंजेगा 'वंदे मातरम्'

● प्रधानमंत्री मोदी करेंगे 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की अगुवाई

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त 2026 को दिल्ली के लाल किले से 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की अगुवाई करेंगे। इस बार समारोह का मुख्य फोकस राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 साल और 'विकसित भारत @2047 के निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका' पर रहेगा। खास बात यह है कि लाल किले के स्वतंत्रता दिवस समारोह में पहली बार 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन होगा ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाल किले पर पहुंचने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह

उनका स्वागत करेंगे। रक्षा सचिव, दिल्ली एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल राजेश सेठी से प्रधानमंत्री का परिचय कराएंगे। इसके बाद लेफ्टिनेंट जनरल राजेश सेठी प्रधानमंत्री को सलामी बेस तक ले जाएंगे, जहां इंटर-सर्विसेज और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टुकड़ी उन्हें जनरल सलामी देगी। इसके बाद प्रधानमंत्री गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण करेंगे। इसमें थलसेना, नौसेना, वायुसेना और दिल्ली पुलिस की टुकड़ियां शामिल होंगी । तीनों सेनाओं और दिल्ली पुलिस से एक-एक अधिकारी और 24-24 जवान गार्ड ऑफ ऑनर का हिस्सा होंगे। गार्ड ऑफ ऑनर की कमान लेफ्टिनेंट कर्नल अर्जुन सिंह के पास होगी। थलसेना की टुकड़ी का नेतृत्व मेजर आदित्य शर्मा, नौसेना का लेफ्टिनेंट कमांडर नीलम राणा, वायुसेना का स्क्वाड्रन लीडर विपिन कुमार और दिल्ली पुलिस की टुकड़ी का नेतृत्व एडिशनल डीसीपी विनीट कुमार करेंगे।

इस साल स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए तीनों सेनाओं के बीच कोऑर्डिनेशन का जिम्मा भारतीय थलसेना संभाल रही है।

पहली बार लाल किले पर गूंजेगा 'वंदे मातरम्': ध्वजारोहण के बाद तिरंगे को राष्ट्रीय सलामी दी जाएगी। इसके तुरंत बाद थलसेना का बैंड 'वंदे मातरम्की' धुन बजाएगा और समारोह में मौजूद लोग राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन करेंगे। इसके बाद राष्ट्रगान होगा। बैंड का संचालन सूबेदार ईश्वर सिंह करेंगे। ध्वजारोहण के साथ ही भारतीय वायुसेना के दो MI-17 हेलिकॉप्टर समारोह स्थल पर फूलों की बारिश करेंगे। इनमें एक हेलिकॉप्टर राष्ट्रीय ध्वज और दूसरा 'वंदे मातरम्' दर्शाने वाला ध्वज लेकर उड़ेगा।

लाल किले पर ध्वजारोहण, 21 तोपों की सलामी... गार्ड ऑफ ऑनर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले की प्राचीर की ओर जाएंगे। वहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन और थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ उनका स्वागत करेंगे।

विभाजन विभीषिका दिवस: बंटवारे के जख्मों को याद कर पीएम भावुक

» बोले- अपनों से बिछड़ लाखों लोगों ने खड़ी की जिंदगी

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर 1947 के विभाजन से प्रभावित लोगों के साहस, संघर्ष और जिजीविषा को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि विभाजन ने लाखों परिवारों को उजाड़ दिया और लोगों को असहनीय पीड़ा दी, लेकिन प्रभावित लोगों ने विपरीत परिस्थितियों में भी नई जिंदगी शुरू की और देश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पीएम ने भाईचारे, सद्भाव और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया।'

'इतिहास का वह दौर था, जिसने कई जिंदगियां तहस-नहस कर दीं': पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'आज हम 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मना रहे हैं। हम उन सभी लोगों के साहस को याद करते हैं, जो विभाजन से प्रभावित हुए थे। यह इतिहास का वह दौर था, जिसने कई जिंदगियां तहस-नहस कर दीं। परिवार उजड़ गए, अपनों को खो दिया और लोगों ने बहुत दुख सहा। साथ ही, इन मुश्किलों से उबरते हुए लोगों ने शून्य से अपनी जिंदगी फिर से शुरू की, कठिनाइयों को सफलता में बदला और देश की तरक्की में बड़ा योगदान दिया।'

मुश्किलों को मात देकर फिर खड़ी की जिंदगी: उन्होंने कहा कि तमाम मुश्किलों के बावजूद लोगों ने शून्य से अपनी जिंदगी दोबारा बनाई। उन्होंने विषम परिस्थितियों को अपनी ताकत बनाया, मुश्किल हालात को कामयाबी में बदला और देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भाईचारे और सद्भाव के संकल्प को मजबूत करने की अपील: पोस्ट में लिखा था, 'उनकी जीवन यात्राएं हमें इंसानी जज्बे की ताकत की याद दिलाती हैं। यह दिन हमारे देश में भाईचारा और सद्भाव बनाए रखने के हमारे संकल्प को और मजबूत करे और हम सब मिलकर 'विकसित भारत' बनाने की दिशा में काम करें।'

14 अगस्त को मनाया जाता है विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस: भारत 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाता है, ताकि 1947 में देश के विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले और विस्थापित हुए लोगों को श्रद्धांजलि दी जा सके।

आजादी के साथ मिला था विभाजन का दर्द... भारत को 15 अगस्त, 1947 को ब्रिटिश शासन से आजादी मिली। हर साल 15 अगस्त को मनाया जाने वाला स्वतंत्रता दिवस किसी भी देश के लिए खुशी और गर्व का अवसर होता है। हालांकि, आजादी की इस खुशी के साथ विभाजन का गहरा दर्द भी जुड़ा था। नए आजाद भारतीय राष्ट्र के जन्म के साथ ही विभाजन की हिंसा और त्रासदी सामने आई, जिसने लाखों लोगों के मन पर गहरे और कभी न मिटने वाले घाव छोड़ दिए।

उत्तराखंड-चमोली टनल हादसे में 7 मौतें, 3 अब भी फंसे:

सीएम धामी टनल के अंदर पहुंचे; बोले- मृतकों के परिजन को 4 लाख देंगे

चमोली,एजेंसी। उत्तराखंड में चमोली जिले के पीपलकोटी में गुरुवार शाम करीब 7 बजे निर्माणाधीन टनल में पानी और मलबा भर जाने से 7 लोगों की मौत हो गई। 3 अभी भी टनल में फंसे हैं। उन्हें बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। टनल में कुल 22 लोग फंसे थे। इसमें 12 को सुरक्षित

निकाल लिया गया है। टनल से 7 शव भी बरामद हो चुके हैं।

बाहर निकाले गए 19 लोगों में 12 घायल हैं। घायलों में झारखंड के 6, छत्तीसगढ़ के 2 और पंजाब, हिमाचल प्रदेश, बिहार व पश्चिम बंगाल का 1-1 व्यक्ति घायल है। मृतकों में उत्तर प्रदेश के 3, उत्तराखंड के 2 और छत्तीसगढ़ के 2 लोग शामिल हैं।

टनल के अंदर पानी और मलबा आने से रेस्क्यू में दिक्कत हो रही है। NDRF, SDRF, ITBP और प्रशासन की टीमें लगातार बचाव में जुटी हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने टनल के अंदर जाकर रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया।

पाकिस्तानी पीएम की धमकी- पानी रोका तो मुंहतोड़ जवाब देंगे

कश्मीर पर रुख कभी नहीं बदलेंगे, मुनीर की लीडरशिप में हमने दुश्मन को हराया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सिंधु जल समझौते को लेकर भारत को एक बार फिर धमकी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के हिस्से के पानी पर कोई समझौता नहीं होगा। अगर इसे रोकने या कम करने की कोशिश हुई तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री शहबाज ने गुरुवार को इस्लामाबाद में एक कार्यक्रम

चीन-पाकिस्तान की दोस्ती हिमालय से भी मजबूत... शहबाज ने अपने भाषण में चीन-पाकिस्तान की दोस्ती को हिमालय से भी बुलंद बताया। उन्होंने कहा कि चीन पाकिस्तान का अजीम दोस्त है। हर मुश्किल घड़ी में वह चट्टान की तरह हमारे देश के साथ रहा

को संबोधित करते कहा कि कश्मीर पर पाकिस्तान का रुख कभी नहीं बदलेगा। अपने भाषण में शहबाज ने एक बार फिर सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की तारीफ करते हुए दावा किया कि उनके नेतृत्व में पाकिस्तान ने भारत को हराया।

पुलिस-फायर सर्विस के 301 कर्मियों को गैलेंट्री अवॉर्ड

इनमें नक्सल इलाकों के 197 जवान, कुल 1057 लोगों को मेडल; स्वतंत्रता दिवस पर केंद्र का ऐलान

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने स्वतंत्रता दिवस 2026 के मौके पर पुलिस, फायर सर्विस, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और जेल सेवाओं के 1,057 कर्मियों को गैलेंट्री और सर्विस मेडल देने का ऐलान किया है।

इनमें 301 गैलेंट्री मेडल, 92 प्रेसिडेंट्स मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस और 664 मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस शामिल हैं। इनके अलावा CBI के 21 अधिकारियों और कर्मचारियों को भी उनकी सेवा के लिए राष्ट्रपति

पदक से सम्मानित किया गया है। कुल 301 गैलेंट्री मेडल में 272 पुलिसकर्मी और 29 फायर सर्विस कर्मी शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा 197 कर्मी लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म यानी नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के 51, नॉर्थ-ईस्ट के 12 और अन्य क्षेत्रों के 41 कर्मियों को भी गैलेंट्री मेडल दिया गया है। गैलेंट्री मेडल ऐसे कर्मियों को दिया जाता है जिन्होंने जान बचाने, संपत्ति की रक्षा करने, अपराध रोकने या अपराधियों को पकड़ने के दौरान असाधारण बहादुरी दिखाई हो।

इसके अलावा 664 कर्मियों को मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस (MSM) से सम्मानित किया गया है। इनमें 606 पुलिस, 28 फायर सर्विस, 18 सिविल डिफेंस एवं होम गार्ड और 12 करेक्शनल सर्विस के कर्मी शामिल हैं।

92 कर्मियों को प्रेसिडेंट्स मेडल, 664 को मेरिटोरियस सर्विस मेडल... सरकार ने 92 कर्मियों को प्रेसिडेंट्स मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस (PSM) दिया है। इनमें 83 पुलिस सेवा, 4 फायर सर्विस, 3 सिविल डिफेंस एवं होम गार्ड और 2 करेक्शनल सर्विस के कर्मी शामिल हैं। यह सम्मान सेवा में विशेष और उत्कृष्ट रिकॉर्ड के लिए दिया जाता है।

जापान में एक घंटे में पूरे महीने की बारिश: 4 की मौत

● एयरपोर्ट पर 7 हजार लोग फंसे ● पहली बार खतरे की सबसे ऊंची चेतावनी जारी

टोक्यो,एजेंसी। जापान की राजधानी टोक्यो से सटे चिबा प्रांत में गुरुवार रात महज एक घंटे में 115 मिमी बारिश हुई। यह सामान्य तौर पर पूरे अगस्त महीने में होने वाली बारिश के बराबर है।

मूसलाधार बारिश के बाद कई इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति बन गई, जिसमें अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5 घायल भी हुए हैं। भारी बारिश के कारण नारिता एयरपोर्ट पर 7 हजार यात्री रातभर फंसे रहे, जबकि 4 लाख से ज्यादा लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने का आदेश देना पड़ा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने पहली बार इस इलाके के लिए लेवल-5 की सबसे ऊंची चेतावनी जारी की है। यह सबसे ऊंचा अलर्ट होता है, जिसे जान पर तत्काल खतरा होने की स्थिति में जारी किया जाता है।

45 हजार घरों की बिजली गई, सेना राहत काम में जुटी: मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक, गर्म और नमी वाली हवा जब ऊपर मौजूद ठंडी हवा से मिली, तो वातावरण बेहद खराब हो गया। इसी वजह से बहुत तेज बारिश हुई। विभाग ने बताया कि शुक्रवार देर रात तक बारिश जारी रहने की आशंका है। लगातार बारिश के कारण कई इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन से हालात बिगड़ गए। करीब 45 हजार घरों की बिजली गुल हो गई, जबकि राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए जापान की सेना भी तैनात की गई है।

कारों में फंसे लोगों की जान गई... इचिकावा शहर में बाढ़ से भरी सड़क पर 60 से 70 साल उम्र के एक व्यक्ति का शव मिला। वहीं, सकुरा शहर में 66 साल की एक महिला की मौत हो गई। उनकी कार बाढ़ के पानी में फंस गई थी।

यूपी के 16 जिलों में बाढ़, कॉलोनियों में नाव चलीं

● बिहार के छपरा में 100 दुकानों में पानी घुसा ● हिमाचल में रेल ट्रैक पर लैंडस्लाइड

नई दिल्ली,एजेंसी। मानसून ने देश भर में फिर रफ्तार पकड़ ली है। पहाड़ी इलाकों से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक बारिश और बाढ़ जैसे हालात हैं। यूपी के 16 जिलों में 80 से ज्यादा गांव बाढ़ प्रभावित हैं। उन्नाव में पानी घरों में घुस गया है। लोग छतों पर रहने को मजबूर हैं। कॉलोनियों में नाव चल रही हैं।

कानपुर में गंगा का पानी खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाट किनारे 100 से ज्यादा छोटे मंदिर

डूब गए हैं।

बिहार के कई जिलों में 13 अगस्त की शाम बारिश ने उमस भरी गर्मी से राहत दिलाई। पटना में अधिकतम तापमान 36.3 डिग्री और न्यूनतम 29.4 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, छपरा में 45 मिनट की तेज बारिश से शहर के कई इलाकों में डेढ़ से ढाई फीट तक पानी भर गया। करीब 100 दुकानों में भी पानी घुस गया। राज्य के 18 जिलों में आज आंधी, बारिश की संभावना है।

राहुल बोले-भाजपा-आरएसएस मनुवादी सोच को बढ़ावा दे रही

कांग्रेस देश के हर जिले में सत्याग्रह करेगी

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने BJP-RSS पर मनुवादी सोच को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने यह बात कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की हल्द्वानी रैली के बाद मंच के शुद्धिकरण को लेकर कही।

राहुल ने गुरुवार को प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यह ऐसी मानसिकता है, जो आज भी इंसान की हैसियत उसके जन्म से तय करती है, न कि समानता और इंसानियत से।

खड़गे बोले- कभी किसी के आगे अपनी रक्षा के लिए गिड़गिड़ाए नहीं... मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को राज्यसभा में आरोप लगाया था कि 8 अगस्त को हल्द्वानी के रामलीला मैदान में मंच से भाषण दिया था, जहां लाखों लोग मौजूद थे। उस वक्त मैंने किसी समाज का, किसी धर्म का नाम नहीं लिया।

कांग्रेस ने भी इस मुद्दे को लेकर 14 अगस्त को देशभर के जिला मुख्यालयों पर मार्च और सत्याग्रह करने का ऐलान किया है।

40 सवालों की लिस्ट जारी

जनगणना-2027 में जाति भी पूछी जाएगी

आजादी के बाद ऐसा पहली बार, कोविड वैक्सीन कहां लगवाई, यह भी बताना होगा

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने जनगणना-2027 के लिए 40 सवालों की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें लोगों से SC, ST या अन्य जाति के बारे में पूछा जाएगा। आजादी के बाद यह पहली बार होगा जब सभी समुदायों की जाति की जानकारी जनगणना में दर्ज की जाएगी।

इससे पहले 2011 की जनगणना के फॉर्म में 29 सवाल थे। इसमें जाति से जुड़ी जानकारी के लिए सिर्फ SC/ST का विकल्प था। अब जनगणना-2027 के सवालों की लिस्ट में जाति से जुड़ा सवाल नंबर 10 पर है, जिसमें SC/ST के साथ जाति ऑप्शन भी जोड़ा गया है।

खास बात यह है कि लोगों से कोविड वैक्सीन कहां लगवाई थी, यह सवाल भी पूछा जाएगा। इसके साथ मोबाइल नंबर, आधार, वोटर ID और बैंक अकाउंट से जुड़े सवाल भी होंगे।

1. पहचान और परिवार: 12 सवालों में नाम से जाति

तक जानकारी: जनगणना में व्यक्ति का नाम, परिवार के मुखिया से संबंध, लिंग, जन्मतिथि और उम्र पूछी जाएगी। साथ ही वैवाहिक स्थिति, शादी के समय उम्र, पति या पत्नी का नाम, राष्ट्रीयता, धर्म और SC/ST/जाति की जानकारी ली जाएगी। माता-पिता की जानकारी भी दर्ज होगी।

2. शिक्षा और भाषा: 5 सवालों में पढ़ाई और डिजिटल साक्षरता: इस हिस्से में दिव्यांगता, मातृभाषा और दूसरी भाषाएं, साक्षरता और डिजिटल साक्षरता की जानकारी ली जाएगी। साथ ही शैक्षणिक संस्थान में पढ़ाई की स्थिति और उच्चतम शैक्षणिक योग्यता, स्ट्रीम या विषय पूछा जाएगा।

3. रोजगार: 8 सवालों में काम और नौकरी की जानकारी: व्यक्ति ने पिछले एक साल में काम किया या नहीं, उसकी आर्थिक गतिविधि, व्यवसाय और काम का क्षेत्र पूछा जाएगा। इसके अलावा कामगार की श्रेणी, गैर-आर्थिक गतिविधि, काम की तलाश या उपलब्धता और काम की जगह तक आने-जाने की जानकारी भी ली जाएगी।

5. बैंक डिटेल्स और आधार नंबर: 7 सवालों में डॉक्यूमेंट्स की जानकारी: इसमें कोविड-19 वैक्सीन कहां लगवाई, कुल बैंक अकाउंट और मोबाइल नंबर पूछा जाएगा।

जन्म और माइग्रेशन: 8 सवालों में जन्मस्थान से बच्चों तक की जानकारी... इस सेक्शन में जन्म स्थान, पिछला निवास स्थान, माइग्रेशन का कारण और वहां रहने की अवधि पूछी जाएगी। स्थायी निवास का पता भी दर्ज होगा। महिलाओं से जीवित बच्चों, अब तक जन्मे बच्चों और पिछले एक साल में जन्मे बच्चों की संख्या भी पूछी जाएगी।

दो बच्चों की जान लेने वाले IED ब्लास्ट का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, NIA को मिली 10 दिन की हिरासत

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में अप्रैल में एक घर पर हुए आइईडी हमले के मामले में गिरफ्तार आरोपित प्रतिबंधित संगठन 'यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी' (यूकेएनए) का 'वित्त प्रमुख' था। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि वह गोलीबारी की पांच अन्य घटनाओं में भी शामिल था। एनआइए ने बुधवार को एस. पलाल थाडोउ को गिरफ्तार किया था। मोइरांग कस्बे के त्रोंगलाओबी अवांग लीकाई इलाके में सात अप्रैल को हुए आइईडी हमले के मामले में यह पहली गिरफ्तारी है। इस विस्फोट में दो नाबालिगों की मौत हो गई थी और एक अन्य व्यक्ति घायल हुआ था। आरोपित को इंफाल की विशेष एनआइए अदालत में पेश किया गया जहां से उसे 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। थाडोउ को इससे पहले भी अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार हो चुका है। उसे पहले चूड़चंदपुर और बिष्णुपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया था। मणिपुर पुलिस ने बयान में कहा कि आरोपित ने जांच के दौरान स्वीकारा कि वह प्रतिबंधित संगठन यूकेएनए का 'वित्त प्रमुख' था। पुलिस ने बताया कि थाडोउ पिछले साल 16 दिसंबर को त्रोंगलाओबी में हुए बम विस्फोट और इस साल तीन, चार फरवरी की दरमियानी रात मोलनोम में हुई गोलीबारी की घटना में भी शामिल पाया गया। वह मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह के चूड़चंदपुर दौरे से एक दिन पहले चार जुलाई को कापरांग इलाके में हुई गोलीबारी के साथ-साथ इस साल चार जुलाई और 26 मार्च को हुई गोलीबारी की अन्य घटनाओं में भी शामिल था। एनआईए के बयान में कहा गया कि सात अप्रैल के आईईडी हमले की जांच अपने हाथ में लेने के बाद एनआइए ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धाराओं के तहत 23 अप्रैल को मामला फिर से दर्ज किया था। इससे पहले मोइरांग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था।

दिल्ली के मयूर विहार में डीटीसी बस ने स्कूली छात्रा को कुचला, गुस्साई भीड़ ने की तोड़फोड़; ड्राइवर फरार

नईदिल्ली, एजेंसी। मयूर विहार फेज तीन इलाके में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में डीटीसी बस की चपेट में आने से एक स्कूली छात्रा की मौत हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि छात्र ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छात्र के शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। उधर, हादसे की खबर फैलते ही स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। गुस्साए लोगों ने डीटीसी बस में तोड़फोड़ कर दी। इससे मौके पर कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने लोगों को शांत कराया और फरार बस चालक की तलाश शुरू कर दी है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। मृतक छात्रा का नाम कायना है। वह खिच?ीपुर में रहती थी। सुबह सा? आठ बजे पिता के साथ वह स्कूटी से वसुंधरा एन्क्लेव ईस्ट प्वाइंट स्कूल जा रही थी। दल्लूपुरा में डीटीसी की बस ने पीछे से टक्कर मार दी, टक्कर लगते ही स्कूटी स?क पर गिर गई। इसी बीच बस ने बच्ची को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

गाजियाबाद में जनवरी-जुलाई के बीच 254 लोगों ने गंवाई जान, बढ़ते रोड एक्सीडेंट्स ने तोड़ा चार साल का रिकॉर्ड

गाजियाबाद, एजेंसी। सड़क हादसों में मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। जनवरी से जुलाई 2026 तक जिले में हुए सड़क हादसों में 254 लोगों की मौत हुई है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 226 लोगों की जान गई थी। इस तरह इस साल सात माह में 28 अधिक मौतें हुई हैं, जो पिछले साल के मुकाबले 12.4 प्रतिशत अधिक है। इस साल जनवरी से जुलाई तक जिले में 665 सड़क हादसे हुए, जबकि 2025 की समान अवधि में 640 हादसे दर्ज किए गए थे। इस तरह हादसों की संख्या में भी 25 का इजाफा हुआ है। इस साल 508 लोग हादसों में घायल हुए। जनवरी से जुलाई तक मौतों के मामले में 2026 का आंकड़ा पिछले चार वर्षों से भी अधिक है। वर्ष 2022 में इसी अवधि में 203, 2023 में 198, 2024 में 223 और 2025 में 226 लोगों की मौत हुई थी। सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए यातायात पुलिस की ओर से निगरानी और प्रवर्तन व्यवस्था मजबूत करने का दावा किया गया है।

खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामले में यूपी नंबर वन, दूध-मावा-पनीर से लेकर मिठाइयों की गुणवत्ता पर उठे सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। देशभर में खाद्य पदार्थों में मिलावट व गुणवत्ता गंभीर चिंता का विषय है। मिलावट से अधिक चिंताजनक स्थिति गुणवत्ता को लेकर है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की हालिया रिपोर्ट चौंकाती हैं। देश में मिलावट के सर्वाधिक मामले उत्तर प्रदेश में पाए गए हैं। मप्र की बात करें तो यहां हर 56वां नमूना निर्धारित गुणवत्ता मानक पर खरा नहीं उतरा। देश में वर्ष 2024-25 में कुल 6,47,408 खाद्य नमूनों की जांच की गई। इनमें 34,388 नमूने तय मानकों पर खरे नहीं उतरे। इनमें 22,516 यानी 65.5 प्रतिशत निर्धारित गुणवत्ता मानक से कम थे। 7,945 नमूने असुरक्षित और 3,931 में लेबलिंग अथवा अन्य अनुपालन संबंधी खामियां मिलीं। खाद्य सुरक्षा का सवाल सिर्फ ऐसी मिलावट पकड़ने तक सीमित नहीं है, जिससे खाद्य पदार्थ सीधे असुरक्षित हो जाए। बाजार में तय गुणवत्ता स्तर से कम उत्पाद भी चिंता का विषय हैं। दूध, पनीर, मावा से लेकर

मिठाइयों तक गुणवत्ता पर गंभीर सवाल हैं। हानिकारक बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी या रसायनों से दूषित भोजन 200 से अधिक बीमारियों का कारण बन सकता है। इनमें दस्त, उल्टी और पेट संबंधी संक्रमण से लेकर कैंसर तक शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ के 2026 के आकलन के अनुसार दुनियाभर में असुरक्षित भोजन से हर साल करीब 86.6 करोड़ लोग बीमार पड़ते हैं और 15.2 लाख लोगों की मौत होती है। पांच साल से कम उम्र के बच्चों पर इसका जोखिम विशेष रूप से अधिक है। रसायनों के संपर्क से बच्चों के मस्तिष्क के विकास पर असर पड़ सकता है, जबकि सीसा और अकार्बनिक आर्सेनिक जैसे तत्व हृदय रोग और कैंसर का जोखिम बढ़ा सकते हैं। महाराष्ट्र में डोमिनोज पिज्जा के चार आउटलेट के लाइसेंस एफडीए ने किए निलंबित महाराष्ट्र में खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता संबंधी नियमों के उल्लंघन के मामले में डोमिनोज पिज्जा के चार आउटलेट के खाद्य कारोबार लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। इनमें तीन मुंबई में और एक सतारा जिले में है। जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड द्वारा संचालित ब्रांड डोमिनोज के मुंबई में विले पार्ले पश्चिम, बोरीवली पश्चिम और घाटकोपर पश्चिम स्थित आर-सिटी माल के आउटलेट पर कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई चेन रेस्तरां के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा थी। विले पार्ले आउटलेट में एफएसएसएआइ से मिला लाइसेंस प्रदर्शित करने, पेयजल, खाद्य पदार्थों के भंडारण, कीट नियंत्रण और स्वच्छता सुविधाओं से जुड़ी कमियां मिलीं। बोरीवली आउटलेट में 15त्न नियमों का अनुपालन नहीं पाया गया। एफडीए ने खाद्य भंडारण, तापमान निगरानी, खाद्य जांच, साफ-सफाई और कीट नियंत्रण में सुधार के निर्देश दिए। कच्चे एवं पके और शाकाहारी एवं मांसाहारी खाद्य पदार्थों को अलग रखने व उपकरणों, बर्तनों की नियमित सफाई के लिए भी कहा गया घाटकोपर आउटलेट में साफ-सफाई, स्वच्छता संबंधी कार्यक्रम और कीट नियंत्रण में कमियां मिलीं। सतारा के मालकापुर स्थित डोमिनोज आउटलेट और कराड में सैफायर फूड्स इंडिया द्वारा संचालित दो अन्य फास्ट-फूड प्रतिष्ठानों के लाइसेंस भी निलंबित किए गए हैं।

उत्तराखंड के कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट, दिल्ली-यूपी-बिहार समेत 15 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

लखनऊ, पटना, दिल्ली, एजेंसी। मौसम विभाग ने 14 अगस्त 2026 के लिए कई राज्यों में भारी बारिश, आंधी-तूफान और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार समेत करीब 15 राज्यों में तूफानी बारिश की संभावना है। कुछ जगहों पर हवा की रफ्तार 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन का भी खतरा है। मौसम विभाग ने अगले 20 घंटों के भीतर देश के 15 राज्यों में भीषण बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा, पंजाब और छत्तीसगढ़ में भी भारी बारिश और तूफान का अलर्ट है। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि भी हो सकती है। उत्तराखंड में आज से लेकर 17 अगस्त तक भारी से बेहद भारी बारिश का दौर शुरू होने वाला है। मौसम विभाग ने राज्य के तीन प्रमुख जिलों- देहरादून, बागेश्वर और नैनीताल के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। लगातार होने वाली झमाझम बारिश के खतरे को देखते हुए स्थानीय प्रशासन पूरी तरह सतर्क मोड पर आ गया है। सुरक्षा के लिहाज से प्रभावित इलाकों के स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं। जिला प्रशासन ने स्थानीय लोगों और पर्यटकों से नदी-नालों के पास न जाने और बेहद सावधानी बरतने की अपील की है। लैंडस्लाइड (भूस्खलन) की आशंका वाले संवेदनशील रास्तों पर एसडीआरएफ को तैनात किया गया है। मैदानी इलाकों की बात करें तो राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत देश के 15 राज्यों में आज कुदरत का कड़ा इम्तिहान होने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक, इन राज्यों में न सिर्फ मूसलाधार बारिश होगी, बल्कि 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से विनाशकारी हवाएं भी चल सकती हैं।

डेंगू से जंग की तैयारी पर बड़ा सवाल, एमसीडी स्वास्थ्य विभाग में 1657 पद खाली; कौन संभालेगा मोर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में इस बार डेंगू का डेनवी-2 (स्टेन 2) से लोगों के लिए खतरे की घंटी है लेकिन इन बीमारियों से एमसीडी कैसे जंग लड़ेगा इस पर सवाल हैं। क्योंकि मच्छरों से जंग पर एमसीडी के स्वास्थ्य विभाग में योद्धाओं की ही कमी है। जिसकी वजह से मच्छरजनित बीमारियों के रोकथाम का कार्य प्रभावित हो सकता है। जिससे लोगों की जान पर खतरा बढ़ सकता है। एमसीडी एमएचओ-1 अशोक कुमार रावत द्वारा पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार निगम स्वास्थ्य विभाग में 6304 पद स्वीकृत हैं इसमें से 1657 पद रिक्त हैं। यह वह पद हैं जो मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम में अहम भूमिका अदा करते हैं। इसमें जमीनी स्तर पर काम करने वाले मच्छरों की उत्पत्ति की जांच और दवाओं का छिड़काव करने वाले एमटीएस के 529 पद ही खाली पड़े हैं। इसके साथ ही मच्छरों की उत्पत्ति वाले इलाकों पर विशेष ध्यान देने और वहां पर लगातार निरीक्षण करके मच्छरों की उत्पत्ति कम करने के लिए जिम्मेदार सहायक जनस्वास्थ्य निरीक्षक, जन स्वास्थ्य निरीक्षक, सहायक मलेरिया निरीक्षक, मलेरिया निरक्षक, एंटी मलेरिया ऑफिसर, महामारीविद और मच्छरजनित बीमारियों के लिए विशेषज्ञ जैसे पद खाली हैं। रिपोर्ट के अनुसार एंटी मलेरिया ऑफिसर के सभी 14 पद खाली हैं। इस पद पर एक भी नियमित, सीधे नियुक्त या अनुकंपा आधार पर कर्मचारी तैनात नहीं है। वहीं 150 स्वीकृत मलेरिया निरीक्षक के पदों में केवल 46 पद भरे हैं और 104 पद रिक्त हैं। सहायक मलेरिया निरीक्षक के 600 स्वीकृत पदों में 54 नियमित और 151 सीधे नियुक्त कर्मचारी हैं। इसके बावजूद 395 पद खाली हैं। इसी तरह महामारी विज्ञानी के 12 स्वीकृत पदों में एक नियमित और दो सीधे नियुक्त कर्मचारी हैं, जबकि नौ पद रिक्त हैं। एंटोमोलाजिस्ट के 12 पदों में तीन पद खाली हैं। जन स्वास्थ्य निरीक्षक के 85 स्वीकृत पदों में से 37 पद रिक्त हैं। सहायक जन स्वास्थ्य निरीक्षक के 255 पदों में 135 पद खाली हैं। सबसे अधिक रिक्तियां एमटीएस (पीएच) सहित फील्ड वर्कर आदि श्रेणियों में हैं। इस श्रेणी में 5176 पद स्वीकृत हैं, जिनमें 529 पद रिक्त हैं। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष सर्वाधिक मरीज डेंगू के स्ट्रेन 2 के आ रहे है।

भिलाई के पीपी यार्ड में दिल्ली से पहुंची सीबीआई की दबिश, बिल पास कराने के नाम पर ठेकेदारों से रिश्वत लेने की शिकायत

रायपुर, एजेंसी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल अंतर्गत भिलाई स्थित वैगन मेंटेनेंस के प्रमुख पीपी (पद्मनाभपुर) यार्ड में गुरुवार देर शाम केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने अचानक दबिश दी। वरिष्ठ विभागीय अधिकारी द्वारा ठेकेदारों के बिल पास करने के एवज में रिश्वत मांगने की शिकायत पर यह कार्रवाई की जा रही है। देर रात तक सीबीआइ के 10 से 12 अधिकारियों की टीम सीनियर डीएमई अनमोल उईके के चेंबर में दस्तावेजों को खंगालने और पूछताछ में जुटी रही। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बिल भुगतान को लेकर एक ठेकेदार ने सीधे सीबीआइ से शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद नई दिल्ली

से सीबीआइ की विशेष टीम निजी वाहनों से सीधे भिलाई पहुंची। स्थानीय स्तर पर जांच में सहयोग के लिए रायपुर और दुर्ग पासिंग की गाड़ियों में भी अफसर मौके पर पहुंचे।

यार्ड में बाहरी लोगों का प्रवेश बंद: कार्रवाई इतनी गोपनीय रखी गई कि पीपी यार्ड के मुख्य गेट को बंद कर दिया गया और किसी भी रेल अधिकारी या कर्मचारी को भीतर जाने की अनुमति नहीं दी गई। जिस वक्त दबिश दी गई, उस समय दफ्तर में बिल और मेंटेनेंस से जुड़ी फाइलें मौजूद थीं। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक इस बात का राजफाश नहीं हो सका है कि रिश्वत की रकम बरामद हुई है या नहीं।

पहले भी विवादों में रहा है भिलाई का पीपी यार्ड

2023 में सील हुआ था यार्ड- यह पहला मौका नहीं है जब भिलाई का पीपी यार्ड सीबीआइ के रडार पर आया हो। वर्ष 2023 में भी भ्रष्टाचार की शिकायतों के बाद सीबीआइ ने इस यार्ड को सील कर दस्तावेजों की जब्ती की थी। खेल कोटे में धांधली की जांच- चंद महीने पहले ही रायपुर रेल मंडल में खेल कोटे से नौकरी दिलाने के नाम पर रकम ऐंठने के मामले में भी सीबीआइ ने छापेमारी की थी। **काफी समय से मिल रही थी शिकायतें :** लंबे समय से सीनियर डीएमई अनमोल उइके के खिलाफ शिकायत थी कि वह ठेकेदारों से रुपये की उगाही करता था। यार्ड में होने वाले आउटसोर्सिंग के बड़े-बड़े टेंडर (करोड़ों रुपये के आउटसोर्सिंग बिल) सीनियर डीएमई के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। वही टेंडर आमंत्रित करने, तकनीकी मूल्यांकन करने और वर्क आर्डर जारी करने की प्रक्रिया का हिस्सा होते हैं। ठेकेदार जब यार्ड में काम पूरा कर लेते हैं (जैसे प्रति वैगन रिपेयरिंग का बिल), तो उन रनिंग बिल्स की अंतिम स्वीकृति और पेमेंट फाइल पर सीनियर डीएमई के साइन होते हैं। आशंका है कि इन्हीं कामों के एवज में रिश्वत मांगी गई होगी।

एआई से पूछकर परिवार की हत्या- अमेरिका में भारतवंशी ने की मां और भाई की हत्या सर्च हिस्ट्री में क्या मिला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मैसाचुसेट्स में 17 वर्षीय भारतवंशी किशोर अर्जुन अरविंद पर अपनी मां सुधा वेंकटेशन और छोटे भाई सिद्धार्थ अरविंद की हत्या का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस ने उसे बुधवार सुबह वेलैंड के एक पार्किंग स्थल से गिरफ्तार किया। जांच के दौरान उसकी इंटरनेट और चैटजीपीटी सर्च हिस्ट्री सामने आई, जिसमें परिवार को नुकसान पहुंचाने और हत्या जैसे विषयों से जुड़ी जानकारी तलाशने के सुराग मिले। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में यह पुष्टि नहीं है कि चैटजीपीटी ने उसे हत्या करने का तरीका बताया या पूरी योजना बनाने में मदद की।

मां और छोटे भाई के शव घर में कैसे मिले : घटना का खुलासा मंगलवार शाम करीब साढ़े छह बजे हुआ। एक शिक्षिका पढ़ाने के लिए घर पहुंची थीं, लेकिन काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद उन्होंने अर्जुन के पिता को फोन किया। पिता भी पत्नी और बेटे से संपर्क नहीं कर सके। उन्होंने पुलिस से घर जाकर स्थिति देखने को कहा। पुलिस जब घर पहुंची तो घर के बेसमेंट में 45 वर्षीय सुधा वेंकटेशन का शव मिला, जबकि 14 वर्षीय सिद्धार्थ अरविंद का शव पहली मंजिल पर मिला। इसके बाद पुलिस ने अर्जुन की तलाश शुरू की और उसे वेलैंड के पार्किंग स्थल से गिरफ्तार किया।

चैटजीपीटी की सर्च हिस्ट्री में क्या मिला: जांच में सामने आया कि अर्जुन कुछ समय से चैटजीपीटी पर परिवार को नुकसान पहुंचाने और हत्या जैसे विषयों से जुड़ी जानकारी तलाश रहा था। उसने एआई से डरावनी और रहस्यमयी कहानियां बनाने में भी मदद मांगी थी।

ट्रंप की वैक्सीन योजना से क्या बढ़ जाएगा डॉक्टरों का खर्च दवा कंपनियों के सामने कौन सी अड़चनें

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए कार्यकारी आदेश से बच्चों के टीकाकरण की मौजूदा व्यवस्था में बड़ा बदलाव आने की संभावना है। आदेश में खसरा, गलसुआ और रूबेला यानी एमएमआर जैसे संयुक्त टीकों को अलग-अलग टीकों में बांटने और जहां संभव हो, टीकों के बीच ज्यादा अंतर रखने की बात कही गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक इसका असर सिर्फ टीका लगाने के तरीके पर नहीं पड़ेगा, बल्कि दवा कंपनियों, डॉक्टरों और माता-पिता पर भी पड़ेगा। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि अमेरिका में इन बीमारियों के अलग-अलग टीके दशकों से व्यापक रूप से इस्तेमाल नहीं हुए हैं।ट्रंप के आदेश में आखिर क्या बदलने की बात कही गईट्रंप के आदेश के तहत संघीय अधिकारियों को 90 दिनों के भीतर एमएमआर टीके को अलग-अलग करने और दूसरे टीकों के बीच अंतर बढ़ाने की योजना तैयार करने को कहा गया है। अभी एमएमआर टीका तीनों बीमारियों से एक साथ बचाव करता है। अमेरिका में इस तीन-इन-वन व्यवस्था का इस्तेमाल 1970 के दशक से मानक रूप में हो रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि संयुक्त टीकों से बच्चों के स्कूल जाने की उम्र तक

संक्रामक बीमारियों से पूरी तरह सुरक्षित होने की संभावना बढ़ती है।क्या कंपनियों को दशकों पुराने टीके फिर बनाने पड़ेंगेअमेरिका में फिलहाल खसरा, गलसुआ और रूबेला के अलग-अलग टीके उपलब्ध नहीं हैं। इन तीनों बीमारियों के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन से मंजूर टीके संयुक्त रूप में हैं। अगर उन्हें अलग किया जाता है तो दवा कंपनियों को पुराने व्यक्तिगत टीकों का उत्पादन फिर शुरू करना होगा। इसके लिए नए अध्ययन, उत्पादन सुविधाएं और संघीय मंजूरी की जरूरत पड़ सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक नई वैक्सीन फैक्टरी तैयार करने और उसे मंजूरी मिलने में करीब पांच साल तक लग सकते हैं। इसके अलावा कंपनियों को नए उत्पादन संयंत्रों पर करोड़ों डॉलर खर्च करने पड़ सकते हैं।क्या अलग-अलग टीकों को मंजूरी लेना भी मुश्किल होगाअलग-अलग टीकों को तैयार करने के बाद उन्हें अलग-अलग मंजूरी की प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है। पूर्व एफडीए वैक्सीन प्रमुख जेसी गुडमैन के मुताबिक कंपनियों को यह दिखाने के लिए बड़े अध्ययन करने पड़ सकते हैं कि नए व्यक्तिगत टीके बच्चों में मौजूदा टीकों जैसी प्रतिरोधक क्षमता पैदा करते हैं। साथ ही उत्पादन की नई प्रक्रिया और संयंत्र की सुरक्षा भी साबित करनी होगी। अमेरिका में दशकों से व्यक्तिगत खसरा टीके का बड़े स्तर पर उत्पादन नहीं हुआ है। इसलिए यह प्रक्रिया सामान्य बदलाव की तुलना में काफी जटिल हो सकती है।माता-पिता को बच्चों को लेकर कितने ज्यादा चक्कर लगाने पड़ेंगेएमएमआर टीका फिलहाल दो खुराक में दिया जाता है। पहली खुराक आम तौर पर एक साल की उम्र में और दूसरी चार साल की उम्र के बाद दी जाती है। अगर हर खुराक को खसरा, गलसुआ और रूबेला के तीन अलग-अलग टीकों में बांट दिया जाए तो छह अलग-अलग टीकाकरण यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। दूसरे संक्रामक रोगों के टीकों के बीच भी अंतर बढ़ाया गया तो डॉक्टर के चक्कर और बढ़ सकते हैं। विशेषज्ञों को डर है कि ज्यादा समय और खर्च के कारण कुछ माता-पिता टीकाकरण के लिए अपॉइंटमेंट छोड़ सकते हैं।क्या इससे बच्चों का टीकाकरण कम हो सकतास्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि टीकाकरण की प्रक्रिया जितनी लंबी और महंगी होगी, उतने ही ज्यादा लोगों के बीच इसे पूरा कराना मुश्किल हो सकता है। विशेषज्ञ एना डर्बिन ने कहा कि संयुक्त टीकों को अलग करने का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है और इससे व्यवस्था कम सुविधाजनक और महंगी हो सकती है। इसके विपरीत ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इस बदलाव से माता-पिता को बच्चों के टीकाकरण के समय और अंतर को लेकर ज्यादा विकल्प मिलेंगे और इससे तीनों बीमारियों के खिलाफ टीकाकरण दर बढ़ सकती है।क्या ट्रंप का यह आदेश कंपनियों को टीके बनाने के लिए मजबूर कर सकताआदेश के बावजूद दवा कंपनियों को नए व्यक्तिगत टीके बनाने और मंजूरी के लिए आवेदन करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। कंपनियों के लिए भी अलग टीके बनाना कारोबारी रूप से आकर्षक नहीं हो सकता, क्योंकि वे पहले से संयुक्त टीके बेच रही हैं।

भारतीय मूल के व्यक्ति ने बाल यौन शोषण सामग्री रखने का जुर्म कबूला

● 20 साल तक की सजा संभव एफबीआइ ने क्या कहा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के न्यू जर्सी में भारतीय मूल के एक व्यक्ति ने बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी अवैध सामग्री तक पहुंचने का अपराध संघीय अदालत में कबूल कर लिया है। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, हस्ब्रुक हाइट्स निवासी अभिषेक विजयकुमार ने बुधवार को अपना जुर्म स्वीकार किया। मामला मार्च 2024 का है, जब उसने जानबूझकर ऐसी सामग्री तक पहुंच बनाई थी। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच के दौरान अधिकारियों को 200 से ज्यादा तस्वीरें मिलीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए उसे 20 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। अभिषेक विजयकुमार पर आरोप था कि उसने मार्च 2024 में बच्चों से जुड़ी यौन शोषण सामग्री को जानबूझकर देखा और उस तक

पहुंच बनाई। जांच के दौरान उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की पड़ताल की गई। इसी दौरान अधिकारियों को 200 से अधिक तस्वीरें मिलीं। न्याय विभाग के मुताबिक इनमें ऐसी सामग्री भी शामिल थी, जिसमें एक छोटे बच्चे के साथ यौन शोषण दिखाया गया था। मामले में बुधवार को संघीय अदालत में विजयकुमार ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच में क्या सामने आयाजांच अधिकारियों ने विजयकुमार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की पड़ताल की तो 200 से ज्यादा तस्वीरें मिलीं। इन तस्वीरों में बच्चों के यौन शोषण से संबंधित सामग्री शामिल थी। जांच में मिली सामग्री के आधार पर उसके खिलाफ संघीय स्तर पर मामला आगे बढ़ाया गया। अधिकारियों का कहना है। कि इस तरह के मामलों में बच्चों के शोषण को रोकना और पीड़ितों की पहचान तथा सुरक्षा सुनिश्चित करना जांच एजेंसियों की प्राथमिकता है। अभिषेक विजयकुमार को अधिकतम 20 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। उसकी सजा पर फैसला 6 जनवरी 2027 को होगा। हालांकि, उसे कितनी सजा मिलेगी, इसका अंतिम फैसला संघीय जिला अदालत के न्यायाधीश करेंगे। अदालत अमेरिकी सजा दिशानिर्देशों और कानून में मौजूद दूसरे प्रावधानों को ध्यान में रखकर सजा तय करेगी। यानी अपराध कबूल करने के बाद भी अंतिम सजा अदालत के फैसले पर निर्भर करेगी।एफबीआई ने मामले को लेकर क्या कहा अमेरिकी न्याय विभाग के अधिकारियों ने कहा कि बच्चों के यौन शोषण के मामलों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

तिरंगे के रंग में रंगा सीधी, 5 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने निकाली अभूतपूर्व तिरंगा यात्रा

तिरंगे की छांव में एकजुट हुआ सीधी, युवाओं ने दिया राष्ट्रभक्ति का सशक्त संदेश : विधायक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व शुक्रवार को सीधी नगर में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला। छत्रसाल स्टेडियम से निकली विशाल तिरंगा यात्रा में 5 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साह, अनुशासन और देशभक्ति की भावना के साथ सहभागिता की हाथों में तिरंगा और मन में राष्ट्रप्रेम का जज्बा लिए विद्यार्थियों के कदम जब नगर की सड़कों पर बढ़े तो पूरा शहर तिरंगे के रंग में रंगा नजर आया भारत माता के जयघोष और देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंजता रहा। तिरंगा यात्रा छत्रसाल स्टेडियम से प्रारंभ होकर अस्पताल तिराहा, कलेक्ट्रेट तिराहा होते हुए होमगार्ड परिसर पहुंची, जहां इसका गरिमामय समापन हुआ हजारों विद्यार्थियों की एक साथ सहभागिता, हाथों में लहराते तिरंगे और देशभक्ति के नारों ने यात्रा को यादगार बना दिया मार्ग में नागरिकों ने भी उत्साह के साथ यात्रा का स्वागत किया। तिरंगा यात्रा में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक रीती पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, कलेक्टर विकास मिश्रा और पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने विद्यार्थियों के साथ कदम से कदम मिलाकर यात्रा में सहभागिता की सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि तिरंगे के सम्मान में सीधी की धरती पर उमड़ा जनसैलाब राष्ट्रभक्ति की अद्भुत मिसाल है उन्होंने कहा कि हजारों विद्यार्थियों का अनुशासन और उत्साह यह दर्शाता है कि देश की युवा पीढ़ी राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत है तिरंगा देश की एकता, अखंडता, संप्रभुता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को याद करने का पर्व भी है यह तिरंगा यात्रा नई पीढ़ी के राष्ट्र के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी का विराट प्रदर्शन है। विधायक रीती पाठक ने कहा कि तिरंगा यात्रा के दौरान सीधी नगर का प्रत्येक मार्ग देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया 5 हजार से अधिक विद्यार्थियों का एक साथ तिरंगा लेकर चलना जिले की जागृत राष्ट्र चेतना और देश के प्रति अटूट प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तिरंगा करोड़ों देशवासियों की भावनाओं, त्याग, संघर्ष और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है युवाओं की सहभागिता ने यह संदेश दिया कि देश की एकता और अखंडता के लिए युवा शक्ति सजग और प्रतिबद्ध है उन्होंने कहा कि तिरंगे के सम्मान को केवल राष्ट्रीय पर्व तक सीमित न रखते हुए राष्ट्र और समाज के प्रति अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करना

स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में कलेक्टर विकास मिश्रा करेंगे ध्वजारोहण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को जिला मुख्यालय सीधी में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में कलेक्टर विकास मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण करेंगे जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह स्थानीय पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर प्रातः 9 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे समारोह में राष्ट्रगान, मार्चपास्ट, मुख्यमंत्री के संदेश का लाइव प्रसारण तथा देशभक्ति और भारतीय संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहेंगे समारोह के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय सेवकों के साथ विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

वंदेमातरम के साथ होगा कार्यक्रम का शुभारंभः निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्य अतिथि कलेक्टर विकास मिश्रा का प्रातः 8.58 बजे पुलिस परेड ग्राउंड में आगमन होगा इसके बाद राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम का गायन किया जाएगा। प्रातः 9 बजे कलेक्टर द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा और इसके पश्चात राष्ट्रगान होगा ध्वजारोहण के बाद प्रातः 9.10 बजे कलेक्टर द्वारा परेड का निरीक्षण किया जाएगा। इसके बाद मार्चपास्ट आयोजित होगा जिसमें विभिन्न टुकड़ियां अनुशासन और गरिमा के साथ भाग लेंगी समारोह में पुलिस एवं अन्य दलों की प्रस्तुति राष्ट्रीय पर्व के गौरव को प्रदर्शित करेगी।

मुख्यमंत्री के संदेश का होगा लाइव प्रसारणः प्रातः 9.20 बजे मुख्य अतिथि द्वारा परेड कमांडर एवं प्लाटून कमांडरों का परिचय प्राप्त किया जाएगा इसके बाद प्रातः 9.25 बजे मुख्यमंत्री के स्वतंत्रता दिवस संदेश का लाइव प्रसारण किया जाएगा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोग मुख्यमंत्री का संदेश सुनेंगे।

शहडोल के खेतों में पहुंचे विधायक-कलेक्टर, किसानों से किया सीधा संवाद

जयसिंहनगर में कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने कहा- प्राकृतिक खेती के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाएं

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जयसिंहनगर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम कौआसरई में शुक्रवार को ब्यौहारी विधायक शरद कोल, कलेक्टर पार्थ जायसवाल और पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल ने किसानों के खेतों का दौरा कर कृषि गतिविधियों का जायजा लिया अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने खेतों में पहुंचकर किसानों से सीधे संवाद किया और खेती से जुड़ी विभिन्न आवश्यकताओं की जानकारी ली दौरे के दौरान प्राकृतिक खेती कर रहे किसानों से उनकी कृषि पद्धति, फसल उत्पादन, लागत, सिंचाई व्यवस्था और खेती में आने वाली चुनौतियों के संबंध में चर्चा की गई अधिकारियों ने किसानों द्वारा अपनाई जा रही प्राकृतिक खेती की तकनीकों को समझा और कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया।

प्राकृतिक खेती के साथ आधुनिक तकनीक पर जोरः विधायक शरद कोल ने किसानों से कहा कि कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए पारंपरिक अनुभव और प्राकृतिक खेती के साथ आधुनिक तकनीकों का समन्वय जरूरी है उन्होंने किसानों को खेती में नई तकनीकों, बेहतर कृषि पद्धतियों और उपलब्ध संसाधनों का वैज्ञानिक तरीके से उपयोग करने के लिए प्रेरित किया कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने कहा कि मिट्टी की उर्वरता बनाए रखना और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग खेती की दीर्घकालिक सफलता के लिए महत्वपूर्ण है उन्होंने किसानों से स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार फसल और कृषि पद्धतियों में आवश्यक बदलाव तथा नए प्रयोग करने का आग्रह किया।

मौके पर सुनी किसानों की समस्याएंः कलेक्टर ने किसानों की समस्याओं को भी गंभीरता से सुना उन्होंने कृषि से संबंधित जरूरतों और स्थानीय स्तर पर सामने आ रही दिक्कतों के बारे में जानकारी ली साथ ही ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी और कृषि योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया एसपी संजय अग्रवाल ने भी ग्रामीणों से संवाद कर क्षेत्र की स्थिति और ग्रामीण विषयों की जानकारी ली जिले के वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के खेतों तक पहुंचकर किसानों से सीधे संवाद करने की पहल की ग्रामीणों ने सराहना की।

सरकारी आवास में मिला एएसआई का शव

सुबह ड्यूटी पर नहीं पहुंचे तो पुलिसकर्मी पहुंचे घर, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से होगी मौत की वजह स्पष्ट

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। कोतवाली थाने में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) कैलाश मिश्रा (60) का गुरुवार सुबह निधन हो गया उनका शव पुलिस लाइन स्थित सरकारी आवास में मिला एएसआई डायल-112 में ड्यूटी पर तैनात थे सुबह निर्धारित समय पर ड्यूटी पर नहीं पहुंचने और फोन रिसीव नहीं करने के बाद पुलिसकर्मी उनके सरकारी आवास पहुंचे जहां वह बिस्तर पर मृत मिले।

फोन नहीं उठाया तो पुलिसकर्मी पहुंचे आवासः पुलिस के अनुसार एएसआई कैलाश मिश्रा पुलिस लाइन न्यू कॉलोनी के बी ब्लॉक स्थित कमरा नंबर-13 में अकेले रहते थे गुरुवार सुबह ड्यूटी का समय होने पर डायल-112 के पायलट ने उन्हें फोन किया कई बार कॉल करने के बावजूद जब उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया, तो पायलट ने इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी इसके बाद कोतवाली थाना प्रभारी रावेंद्र तिवारी पुलिस टीम के साथ उनके सरकारी आवास पहुंचे दरवाजा खटखटाने के बाद भी अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली पुलिसकर्मियों ने दरवाजा खोला तो एएसआई बिस्तर पर मृत अवस्था में मिले। घटना की जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और उनके परिजनों को दी गई। जानकारी के मुताबिक कैलाश मिश्रा बुधवार देर शाम ड्यूटी खत्म करने के बाद अपने सरकारी आवास लौटे थे। गुरुवार तड़के उन्हें सीने में तेज दर्द हुआ था इसके बाद उन्होंने डायल-112 को बुलाया और जिला अस्पताल पहुंचे अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया और दवा दी उपचार के बाद वह वापस अपने सरकारी आवास लौट आए थे। थाना प्रभारी रावेंद्र तिवारी के अनुसार प्रथम दृष्टया एएसआई की मौत हृदयाघात से होने की आशंका है हालांकि मौत की वास्तविक वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया है और मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। एएसआई कैलाश मिश्रा के निधन की खबर से पुलिस विभाग में शोक का माहौल है साथी पुलिसकर्मियों और अधिकारियों ने उनके निधन पर दुख व्यक्त करते हुए परिजनों के प्रति संवेदना जताई।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में मंच संचालन करेंगे अवनीश शर्मा

एसएएफ मैदान में होने वाले शासकीय समारोह की जिम्मेदारी सेवानिवृत्त अवनीश शर्मा को मिली

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एसएएफ मैदान में आयोजित होने वाले शासकीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में मंच संचालन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी हाल ही में संभागायुक्त के निज सहायक पद से सेवानिवृत्त हुए अवनीश शर्मा को सौंपी गई है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार से जुड़े शर्मा प्रभावशाली उद्घोषक और अनुभवी मंच संचालक के रूप में अपनी पहचान रखते हैं शर्मा लंबे समय से विभिन्न शासकीय, सामाजिक, सांस्कृतिक और निजी आयोजनों में मंच संचालन करते रहे हैं उनकी प्रभावशाली वाणी और सहज प्रस्तुति के कारण वे श्रोताओं के बीच लोकप्रिय हैं। राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर आयोजित होने वाले शासकीय समारोह में मंच संचालन के लिए उनका चयन शहर के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है। अवनीश शर्मा रिदम म्यूजिकल ग्रुप के उपाध्यक्ष हैं। इसके अलावा वे विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं साहित्यिक एवं आध्यात्मिक रुचि रखने वाले शर्मा अपनी धाराप्रवाह शब्दावली और प्रभावी उद्घोषणा शैली के लिए जाने जाते हैं मंच से कार्यक्रम की विभिन्न गतिविधियों को क्रमबद्ध तरीके से प्रस्तुत करने और उपस्थित जनसमूह को जोड़े रखने में उन्हें विशेष अनुभव है उनकी इस जिम्मेदारी को लेकर रिदम म्यूजिकल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. विनोद तिवारी, हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी और कलम परिवार के अध्यक्ष नागेन्द्र मिश्रा 'मणि' ने शुभकामनाएं देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है।

पाथर गांव में अचानक बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में तोड़ा दम; पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से होगा खुलासा

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र के पाथर गांव में शराब पीने के बाद एक 45 वर्षीय व्यक्ति की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई मृतक की पहचान पाथर निवासी संतोष बैगा, पिता बदई बैगा, के रूप में हुई है पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार संतोष बैगा ने शुक्रवार रात शराब का सेवन किया था इसके कुछ समय बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई परिजन उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि मृतक ने किस प्रकार की शराब का सेवन किया था जांच में सामान्य शराब के साथ कच्ची या महुआ शराब पीने की संभावना को भी देखा जा रहा है पुलिस यह भी पता कर रही है कि शराब कहां से खरीदी गई थी और सेवन के समय मृतक के साथ कौन-कौन लोग मौजूद थे पुलिस के अनुसार मौत की वास्तविक वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीधी के जन विश्वास शिविर में मात्र 40 फरियादी पहुंचे

280 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी रहे तैनात, शिकायतें सुनने के बजाय मोबाइल में व्यस्त नजर आए अधिकारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में शुक्रवार दोपहर 3 बजे आयोजित मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर में प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए। जोरौंधा बाईपास स्थित सब्जी मंडी परिसर में आयोजित शिविर में अपनी समस्याएं लेकर महज करीब 40 फरियादी पहुंचे जबकि उनकी शिकायतें सुनने और निराकरण के लिए 280 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी तैनात किए गए थे शिविर का उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं को सुनकर उनका मौके पर ही समाधान करना था हालांकि शिविर स्थल पर कई विभागों के अधिकारी और कर्मचारी अपने मोबाइल फोन में व्यस्त नजर आए। स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास सहित अन्य विभागों के कर्मचारियों को काफी समय तक मोबाइल देखते हुए देखा गया ऐसे में शिविर में पहुंचे फरियादियों के लिए प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे। बड़ी संख्या में अधिकारियों की तैनाती के बावजूद फरियादियों की संख्या कम रहने से आयोजन की तैयारी और प्रचार-प्रसार पर भी चर्चा शुरू हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिविर की जानकारी आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त रूप से नहीं पहुंचाई गई समय पर सूचना नहीं मिलने के कारण कई ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर शिविर तक नहीं पहुंच सके इससे एक ओर जहां फरियादियों की संख्या कम रही, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

नवांकुर सखियों ने हरियाली यात्रा निकालकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश पौधारोपण के साथ पौधों की सुरक्षा और हरित क्षेत्र के विस्तार के लिए ग्रामीणों को किया जागरूक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के सेक्टर क्रमांक-2 अमिलिया, विकासखंड सिहावल अंतर्गत ग्राम पंचायत सहजी में नवांकुर सखियों द्वारा हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया यात्रा के माध्यम से ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण, अधिकाधिक पौधारोपण, पौधों की सुरक्षा और गांवों में हरित क्षेत्र के विस्तार के प्रति जागरूक किया गया यात्रा के दौरान ग्रामीणों ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेशों के साथ सहभागिता की कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक मुकेश कुमार गौर, विकासखंड समन्वयक अनिल कुमार पाठक, सरपंच कुसुमकली कौल और वरिष्ठ समाजसेवी शालिकराम द्विवेदी सहित नवांकुर सखियां एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

पौधों की सुरक्षा का दिया संदेशः हरियाली यात्रा के दौरान नवांकुर सखियों और ग्रामीणों ने लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया साथ ही लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा करने का संदेश दिया गया नवांकुर सखियों ने ग्रामीणों को बताया कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है पौधे लगाने के बाद उन्हें सुरक्षित रखना और वृक्ष बनने तक उनकी निरंतर देखभाल करना भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है यात्रा के दौरान लोगों को घर, खेत, सार्वजनिक स्थानों और गांव के आसपास उपलब्ध स्थानों पर पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया गया। ग्रामीणों से पौधों को नुकसान से बचाने और उनके विकास के लिए नियमित देखभाल करने की अपील की गई।

पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी जरूरीः कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ मानव जीवन के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जल, वायु और मिट्टी के संरक्षण में वृक्षों की अहम भूमिका है। वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित, स्वस्थ और स्वच्छ पर्यावरण उपलब्ध कराने के लिए पर्यावरण संरक्षण को केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रखकर जनभागीदारी का अभियान बनाना आवश्यक है जिला समन्वयक मुकेश कुमार गौर ने कहा कि हरियाली यात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का संकल्प है उन्होंने नवांकुर संस्थाओं और नवांकुर सखियों से गांव-गांव में पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

रोगी कल्याण समिति की बैठक में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से रोगी कल्याण समिति की बैठक शुक्रवार को जनपद पंचायत सभागार में आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने की इस दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई बैठक में जिला पंचायत सदस्य हीराबाई सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सागर जैन, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज्ञानेंद्र मिश्रा, मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुप्रिया सिंह, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी मान कुमारी पनिका, खंड समन्वयक जनपद शिक्षा केंद्र अंगिरा प्रसाद द्विवेदी एवं जन्मेजय जायसवाल सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

80 गांवों को मिलेंगी हेल्थ किटः बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी से जुड़े 80 ग्रामों में हेल्थ किट उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। ये हेल्थ किट संबंधित क्षेत्रों में कार्यरत कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर, एएनएम और आशा सुपरवाइजरों को प्रदान की जाएंगी इससे ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और लोगों को आवश्यक सुविधाएं नजदीक उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए अस्पताल की व्यवस्थाओं में लगातार सुधार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना जरूरी है।

संसद के सामने नई चुनौती

संपादकीय

आशुतोष झा

बड़े दिनों बाद विपक्ष और खासकर कांग्रेस को एक सफलता मिलने का अहसास हो रहा है। उसकी जो चाहत थी, वह पूरी हो गई। मानसून सत्र करीब-करीब धुल गया और परिसीमन विधेयक भी नहीं आ पाया। द्रमुक के विपक्षी खेमे से बाहर जाने और कांग्रेस के खिलाफ तीखे तेवर अपनाने, शरद पवार गुट की एनसीपी के बदले सुर, तृणमूल में टूट जैसी कई घटनाओं ने कांग्रेस को आशंकित कर रखा था। ऐसे में छात्र आंदोलन के रूप में उसके हाथ बटेर आ गया। कुछ सत्तापक्ष की रणनीति भी मात खा गई और विपक्ष की मंशा पूरी हो गई, लेकिन विपक्ष को यह सोचना होगा कि लंबी राजनीति में ऐसे अवरोध की रणनीति बहुत काम नहीं आती। परिसीमन तो संवैधानिक व्यवस्था है और वह होगी ही। वह कांग्रेस नहीं रोक पाएगी और उसमें अभी विपक्षी खेमे में खड़े कई दल भी साथ देंगे। लिहाजा सफलता को स्थायी बनाना है तो शोर-शराबे की राजनीति से आगे जाकर विमर्श की ऐसी राजनीति सीखनी और करनी होगी, जिससे जनता उसके नैरेटिव को समझ सके। विपक्ष ने रणनीति के तहत सत्र को नहीं चलने देने का मन बना लिया था, फिर भी यदि सत्तापक्ष सदन चलाने की सार्थक पहल करता तो विमर्श में शायद आगे दिखता। जिस तरह पूरा सत्र हठधर्मिता के कारण बाधित हुआ, वह लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं है। विपक्ष अगर सार्थक मुद्दों पर सकारात्मक जीत हासिल करे तभी लोकतंत्र की सफलता है।

वैसे तो 2014 के बाद से कई बार और 2024 के बाद से अधिकतर यही देखा गया है कि संसद सत्र से ठीक पहले कुछ ऐसे मुद्दे उभरते हैं, जिन्हें विपक्ष लपक लेता है। जंतर-मंतर पर सीजेपी का आंदोलन ऐसा ही एक मुद्दा था। इससे पहले उस भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर किसान आंदोलन खड़ा करने की तैयारी थी, जो वस्तुतः अभी फाइनल ही नहीं हुआ है। ऐसे आंदोलनों के पीछे कौन सी ताकत काम करती है, यह समझा जा सकता है। मानसून सत्र की शुरुआत में भी जब अवरोध उत्पन्न हुआ तो किसी को हैरत नहीं हुई, क्योंकि पहला हफ्ता शोर-शराबे में ही जाने की एक परंपरा सी बन गई है, लेकिन यह सत्र थोड़ा अलग रहा। विपक्ष ने इसका चलना अपने लिए अस्तित्व की लड़ाई बना लिया और डर था पसिसीमन विधेयक का। सरकार की ओर से संकेत था कि संविधान संशोधन के लिए जरूरी नंबर से कुछ अधिक उसके पास हैं। इसके चलते अलग-अलग मुद्दों को तूल देकर सत्र ही नहीं चलने दिया गया। बार-बार मुद्दे बदले गए, पर ध्येय एक था-संसद रोको। न रहे बांस, न बजे बासुंरी।ठु कांग्रेस को पता है कि परिसीमन तो होगा, लेकिन अभी रोक लिया तो 2029 के चुनाव तक एक बाजी और लगाने का बल बचा रहेगा। अगर लोकसभा सदस्यों की संख्या 543 से बढ़कर 816 हो गई तो बचे हुए दो-ढाई साल में ज्यादा मशक्कत न हो पाएगी। सीटों का बदला हुआ स्वरूप अलग रंग दिखाएगा और 2029 गंवाने का अर्थ है 20 साल सत्ता से बाहर रहना, जो जाहिर तौर पर कांग्रेस और उसके कई नेताओं के लिए अस्तित्व बचाने की बात होगी, लेकिन क्या कांग्रेस को इसकी याद दिलानी होगी कि देश के बहुत बड़े हिस्से से वह 30-40 वर्षों से भी ज्यादा वक्त से सत्ता से बाहर है। अगर संविधान के अनुच्छेद 81 और 170 के तहत 2027 की जनगणना के आधार पर परिसीमन पर हुआ तो कांग्रेस के सामने संकट होगा।

विदेशी चंदे पर नियंत्रण और संतुलन की अपेक्षा

ललित गर्ग

भारत में समय-समय पर ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें विदेशी वित्तपोषण के दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितताओं अथवा राष्ट्रीय हित से टकराने वाली गतिविधियों को लेकर सवाल उठे हैं। इसलिए एफसीआरए का मूल उद्देश्य-विदेशी अंशदान को पारदर्शी, उत्तरदायी और वैध उद्देश्यों तक सीमित रखना-न तो अनुचित है और न ही लोकतंत्र विरोधी।

12 अगस्त 2026 का दिन भारतीय संसद के लिए इसलिए महत्वपूर्ण रहा कि विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 यानी एफसीआरए विधेयक को लोकसभा ने 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति- जेपीसी के पास भेज दिया। यह फैसला केवल एक विधेयक को संसदीय प्रक्रिया के अगले चरण में भेजना नहीं है, बल्कि उस व्यापक बहस का अवसर है जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेशी धन की पारदर्शिता, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं की स्वायत्तता, नागरिक समाज की भूमिका और लोकतांत्रिक अधिकार-सभी एक साथ जुड़े हुए हैं। विधेयक को जेपीसी के पास भेजे जाने से सरकार और विपक्ष के बीच तत्काल टकराव को कुछ हद तक विमर्श में बदलने का अवसर मिला है। एफसीआरए का इतिहास भी इस बहस की गंभीरता को समझने में मदद करता है। विदेशी धन के माध्यम से देश के राजनीतिक और सामाजिक जीवन पर बाहरी प्रभाव की आशंकाओं को देखते हुए 1976 में पहली बार कानून बनाया गया था। वर्ष 2010 में इसे नए एफसीआरए कानून से प्रतिस्थापित किया गया और उसके बाद 2020 सहित विभिन्न चरणों में इसके प्रावधान अधिक कठोर होते गए। आज यह कानून केवल विदेशी चंदे की प्राप्ति और उसके उपयोग का लेखा-जोखा रखने का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़े विमर्श का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।आंकड़े इस विषय की व्यापकता बताते हैं। पीआरएस के अनुसार 15 जुलाई 2026 तक 14,449 एफसीआरए प्रमाणपत्र सक्रिय थे, जबकि 22,498 रद्द और 15,212 समाप्त माने गए। 2019 से 2022 के बीच 13,520 संगठनों को लगभग 55,741 करोड़ रुपये का विदेशी अंशदान मिला। इन आंकड़ों को देखकर यह सवाल स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी धनराशि का उपयोग कहां, किस उद्देश्य से और किस स्तर की निगरानी के साथ हुआ? लेकिन इसके साथ दूसरा प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है-क्या किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण समाप्त हो जाना अपने आप में किसी वित्तीय या आपराधिक अनियमितता का प्रमाण माना जा सकता है? सरकार के अपने स्पष्टीकरण के अनुसार भी पंजीकरण समाप्त होने के कई कारण हो सकते हैं और हर समाप्ति को गलत काम से जोड़ना उचित नहीं है। यहीं से प्रस्तावित संशोधन का सबसे संवेदनशील पक्ष सामने आता है। विधेयक में 'नामित प्राधिकरण' की व्यवस्था प्रस्तावित है। यदि किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण रद्द हो जाता है, वह स्वयं पंजीकरण छोड़ देती है या उसका प्रमाणपत्र नवीनीकरण न होने के कारण समाप्त हो जाता है, तो विदेशी अंशदान और उससे निर्मित संपत्तियां पहले अस्थायी रूप से इस प्राधिकरण के अधीन आ सकती हैं। यदि निर्धारित अवधि में पंजीकरण बहाल नहीं होता तो संपत्तियां स्थायी रूप से निहित की जा सकती हैं तथा उन्हें सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए उपयोग या बेचने का प्रावधान है। बिक्री से प्राप्त राशि और अप्रयुक्त विदेशी अंशदान भारत की समेकित निधि में जमा किए जाने का प्रस्ताव

हरियाली तीजः शिव-पार्वती के प्रेम, सौभाग्य और सावन की हरियाली का महापर्व

सावन का महीना आते ही प्रकृति का रूप बदल जाता है। बारिश की बूंदों से धुली धरती हरियाली की चादर ओढ़ लेती है। पेड़ों की डालियों पर झूले पड़ते हैं, हाथों में मेहंदी सजती है और लोकगीतों की मधुर धुन वातावरण में सावन की उमंग घोल देती है। इसी उल्लास और आस्था के बीच आने वाला हरियाली तीज भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान रखता है। यह पर्व केवल व्रत और पूजा तक सीमित नहीं है बल्कि प्रेम, दांपत्य जीवन, नारी सौंदर्य, पारिवारिक सुख-समृद्धि और प्रकृति के नवश्रृंगार का उत्सव भी है। हरियाली तीज सावन मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इसी दिन भगवान शिव ने माता पार्वती की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया था। इसलिए यह पर्व शिव-पार्वती के प्रेम, तपस्या और पुनर्मिलन का प्रतीक माना जाता है। वर्ष 2026 में हरियाली तीज 15 अगस्त, शनिवार को मनाई जाएगी। इस दिन सुहागिन महिलाएं अखंड सौभाग्य, पति की दीर्घायु और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना से व्रत रखती हैं। वहीं, अविवाहित कन्याएं मनचाहे जीवनसाथी की प्राप्ति के लिए शिव-पार्वती की आराधना करती हैं।

उदय कुमार सिंह

हरियाली तीज का पर्व 15 अगस्त को मनाया जाएगा

सावन की हरियाली से जुड़ा है पर्व का नामहरियाली तीज का नाम ही इस पर्व के प्रकृति से गहरे संबंध को दर्शाता है। सावन में वर्षा के बाद चारों ओर हरियाली दिखाई देती है। खेत, पेड़-पौधे और वनस्पतियां नए जीवन से भर उठती हैं। प्रकृति के इसी हरित रूप को तीज के उत्सव से जोड़ा गया है। पारंपरिक रूप से इस अवसर पर महिलाएं हरे रंग के वस्त्र पहनती हैं। हाथों में मेहंदी रचाती हैं और हरी चूड़ियां पहनकर सोलह श्रृंगार करती हैं। घर-परिवार और आसपास के इलाकों में झूले लगाए जाते हैं। नई-नवेली दुल्हनें विशेष रूप से मायके आती हैं और अपनी सखियों के साथ झूला झूलते हुए सावन के गीत गाती हैं। इन गीतों में कभी मायके की याद होती है, कभी पिया के प्रेम का वर्णन और कभी सावन की फुहारों का उल्लास। इस तरह तीज महिलाओं के लिए धार्मिक आस्था के साथ-साथ अपनी भावनाओं और सामाजिक संबंधों को अभिव्यक्त करने का अवसर भी बन जाती है। शिव-पार्वती के पुनर्मिलन की कथाहरियाली तीज की धार्मिक मान्यताओं का केंद्र माता पार्वती और भगवान शिव हैं। कथा के अनुसार, माता पार्वती भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त करना चाहती थीं। इसके लिए उन्होंने कठोर तपस्या की और लंबे समय तक कठिन साधना में लीन रहीं। मान्यता है कि माता पार्वती के 108वें जन्म में उनकी तपस्या पूरी हुई। सावन मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया के दिन भगवान शिव उनकी तपस्या से प्रसन्न हुए और उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया। यही वजह है कि हरियाली तीज को शिव-पार्वती के दिव्य मिलन का पर्व माना जाता है। इस दिन शिव-पार्वती की पूजा और व्रत-कथा का श्रवण करने से दांपत्य जीवन में प्रेम, विश्वास और मधुरता बनी रहने की धार्मिक मान्यता है। सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं, जबकि अविवाहित युवतियां भगवान शिव और माता पार्वती से अच्छे जीवनसाथी की प्राप्ति का आशीर्वाद मांगती हैं। तीज में दिखाई देता है नारी उत्सव का रंगहरियाली तीज को महिलाओं का प्रमुख पर्व भी माना जाता है। इस दिन महिलाएं सजती-संवरती हैं, एक-दूसरे के घर जाती हैं, मेहंदी लगाती हैं और सामूहिक रूप से पूजा करती हैं। सोलह श्रृंगार का इस पर्व पर विशेष महत्व माना जाता है। सिंदूर, मेहंदी, चूड़ियां, बिंदी, काजल, महावर और आभूषण आदि सुहाग के प्रतीकों के रूप में धारण किए जाते हैं। कई स्थानों पर महिलाएं एक-दूसरे को सुहाग सामग्री भी भेंट करती हैं। हरे रंग के वस्त्र और चूड़ियां सावन की हरियाली तथा समृद्धि का प्रतीक मानी जाती हैं। मेहंदी को प्रेम और सौभाग्य से जोड़कर देखा जाता है। इस तरह तीज के प्रत्येक रंग और परंपरा में कोई न कोई सांस्कृतिक भाव छिपा हुआ है। व्रत का स्वरूप और धार्मिक महत्वहरियाली तीज पर कई महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं। कुछ महिलाएं अपनी क्षमता और पारिवारिक परंपरा के अनुसार फलाहार करती हैं। व्रत का स्वरूप अलग-अलग क्षेत्रों और परिवारों में अलग हो सकता है। व्रत रखने वाली महिलाएं सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं और पूजा का संकल्प लेती हैं। इसके बाद भगवान शिव, माता पार्वती और उनके परिवार का पूजन किया जाता है। कई स्थानों पर मिट्टी या बालू से शिव-पार्वती की प्रतिमा बनाकर पूजा करने की परंपरा है। पूजा के दौरान तीज की कथा सुनना, शिव-पार्वती का ध्यान करना और परिवार के सुख-शांति की कामना करना विशेष महत्व रखता है।

हरियाली तीज 2026 में पूजा का शुभ समयहरियाली तीज पर शिव-पार्वती की पूजा सुबह और शाम दोनों समय की जा सकती है। दिए गए विवरण के अनुसार सूर्योदय के बाद सुबह करीब 6 बजे से पूजा शुरू करने की परंपरा बताई गई है, जबकि शाम को सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल को पूजा के लिए विशेष माना जाता है। इस दिन रवि योग, शिव योग और सिद्ध योग जैसे शुभ संयोगों का भी उल्लेख किया गया है। हालांकि, पूजा का सटीक समय स्थान विशेष के सूर्योदय-सूर्यास्त और स्थानीय पंचांग के अनुसार अलग हो सकता है। इसलिए व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्थानीय पंचांग के अनुसार मुहूर्त देखना अधिक उपयुक्त रहेगा। पूजा में किन चीजों की जरूरत होगी?हरियाली तीज की पूजा के लिए पहले से सामग्री तैयार कर लेना बेहतर माना जाता है। पूजा सामग्री में मुख्य रूप से सुहाग सामग्री, शिव-पार्वती के वस्त्र और प्राकृतिक पूजन सामग्री शामिल होती है।

प्रमुख पूजन सामग्रियों में मुख्यतः सिंदूर, मेहंदी, बिंदी और चूड़ियां, काजल, महावर, माता पार्वती के लिए चुनरी, भगवान शिव के लिए वस्त्र, बेलपत्र, धतूरा, शमी पत्र, केले का पत्ता, गीली काली मिट्टी या बालू, पंचामृत, मौसमी फल, घेवर, ठेकुआ या अन्य पारंपरिक मिठाइयां शामिल होती हैं। हलांकि, पूजन सामग्री क्षेत्रीय परंपरा और परिवार की मान्यताओं के अनुसार अलग हो सकती है। तीज के झूले और लोकगीत क्यों हैं खास?हरियाली तीज का एक आकर्षक पक्ष झूला उत्सव है। सावन में पेड़ों की मजबूत डालियों पर झूले लगाए जाते हैं। महिलाएं और युवतियां समूह में झूला झूलती हैं और सावन के पारंपरिक गीत गाती हैं। इन लोकगीतों में भारतीय परिवार और रिश्तों की पूरी भावनात्मक दुनिया दिखाई देती है। बेटी को मायके की याद आती है, नवविवाहिता अपने पिया को याद करती है और सखियों के साथ हंसी-मजाक का माहौल बनता है। इस लिहाज से तीज केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि लोक संस्कृति को जीवित रखने वाला पर्व भी है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चले आ रहे गीत, रीति-रिवाज और पारंपरिक पकवान इस त्योहार को और समृद्ध बनाते हैं।

देशभर में अलग-अलग रंगों में मनाई जाती है तीज

हरियाली तीज मुख्य रूप से उत्तर भारत में विशेष उत्साह के साथ मनाई जाती है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली सहित कई क्षेत्रों में इसके अलग-अलग रूप देखने को मिलते हैं। कहीं मंदिरों में विशेष पूजा होती है, कहीं महिलाओं के लिए सामूहिक आयोजन किए जाते हैं। कई जगह झूला उत्सव और तीज गीतों की परंपरा आज भी कायम है। शहरी क्षेत्रों में भी महिलाएं घरों और सामुदायिक स्थलों पर तीज मिलन समारोह आयोजित करती हैं। इस तरह बदलते समय के साथ पर्व मनाने का तरीका भले बदला हो, लेकिन इसकी मूल भावना प्रेम, सौभाग्य, आस्था और पारिवारिक मंगलकामना आज भी कायम है।

शिव आराधना और सावन का आध्यात्मिक महत्व

सावन को भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष महीना माना जाता है। हरियाली तीज इसी सावन में पड़ती है, इसलिए शिव-पार्वती की पूजा का महत्व और बढ़ जाता है। वास्तव में हरियाली तीज को आमतौर पर पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्य से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन इसके सांस्कृतिक संदेश का दायरा इससे कहीं बड़ा है। यह पर्व प्रेम, विश्वास, त्याग, धैर्य और समर्पण की भावना को मजबूत करने का अवसर देता है।

माता पार्वती की तपस्या संकल्प और धैर्य का प्रतीक है, जबकि शिव-पार्वती का संबंध दांपत्य जीवन में विश्वास और सम्मान की भावना को दर्शाता है। यही कारण है कि तीज की कथा आज भी पारिवारिक और सामाजिक जीवन में अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए है। यह पर्व महिलाओं को अपनी परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ मायके और ससुराल के रिश्तों को भी मजबूत करता है। विवाहित महिलाओं के लिए यह अपने मायके से जुड़ने और बचपन की स्मृतियों को फिर से जीने का अवसर बनता है। इस बार स्वतंत्रता दिवस के साथ तीज का संयोगवर्ष 2026 की हरियाली तीज इसलिए भी खास है क्योंकि यह 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के दिन मनाई जाएगी। एक ओर देश स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रभक्ति और स्वतंत्रता का उत्सव मनाएगा, वहीं दूसरी ओर घर-परिवारों में सावन की हरियाली, शिव-पार्वती की आराधना और तीज की उमंग दिखाई देगी। सावन की फुहारों, हरे परिधानों, मेहंदी, झूलों और तीज गीतों के बीच मनाया जाने वाला यह पर्व धार्मिक और सांस्कृतिक दोनों दृष्टियों से विशेष वातावरण बनाएगा। प्रकृति, प्रेम और आस्था का संगम है हरियाली तीजहरियाली तीज को यदि तीन शब्दों में समझना हो तो वे हैं प्रकृति, प्रेम और आस्था। प्रकृति सावन की हरियाली में दिखाई देती है। प्रेम शिव-पार्वती के संबंध में दिखाई देता है और आस्था महिलाओं के व्रत, पूजा और प्रार्थना में दिखाई देती है। झूलों की पींग, मेहंदी से सजे हाथ, हरे परिधानों की छटा, लोकगीतों की मिठास और शिव-पार्वती की आराधना इस पर्व को भारतीय संस्कृति का बेहद सुंदर उत्सव बनाते हैं।

भारत स्वतंत्रता दिवसः रक्षा-उत्पादन विकास की राह पर तेज़ दौड़

वायुसेना के संदर्भ में, एडवांस्ड प्लेटफॉर्म और सिस्टम का विकास स्वदेशी टेक्नोलॉजी में एक बड़ी छलांग दिखाता है। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एल सी ए) तेजस, एक मल्टी-रोल फाइटर जेट, इसका एक बड़ा उदाहरण है। दशकों के विकास के बाद, तेजस इंडियन एयर फोर्स के साथ स्क्वाड्रन सर्विस में शामिल हो गया है और इसे एक्सपोर्ट करने पर विचार किया जा रहा है, जो भारत की एडवांस्ड फाइटर एयरक्राफ्ट डिजाइन करने, डेवलप करने और बनाने की क्षमता को दिखाता है। इसी तरह, पांचवीं पीढ़ी के फाइटर, एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (ए एम सी ए) का विकास चल रहा है, जिसका मकसद भारत को ऐसी एडवांस क्षमताओं वाले चुनिंदा देशों के ग्रुप में जगह दिलाना है।

डी.के. पांडे

वायुसेना के संदर्भ में, एडवांस्ड प्लेटफॉर्म और सिस्टम का विकास स्वदेशी टेक्नोलॉजी में एक बड़ी छलांग दिखाता है। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एल सी ए) तेजस, एक मल्टी-रोल फाइटर जेट, इसका एक बड़ा उदाहरण है। दशकों के विकास के बाद, तेजस इंडियन एयर फोर्स के साथ स्क्वाड्रन सर्विस में शामिल हो गया है। विकासशील भारत अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, यह राष्ट्रीय स्तर पर आत्मनिरीक्षण और आगे की सोच का प्रतीक है। रक्षा उत्पादन का क्षेत्र इसकी आत्मनिर्भरता और रणनीतिक ऑटोनॉमी का एक अहम स्तंभ बनकर उभरा है। मिलिट्री हार्डवेयर के एक बड़े आयातक से एक भरोसेमंद डिफेंस निर्यातक बनने का सफर भारत की बढ़ती क्षमताओं और रणनीतिक दूरदर्शिता का सबूत है। यह बदलाव सिर्फ एक आर्थिक या टेक्नोलॉजिकल उपलब्धि नहीं है; यह असल में नेशनल सिक्योरिटी, जियोपॉलिटिकल स्टैंडिंग और ग्लोबल स्टेज पर ज़्यादा असरदार भूमिका निभाने की इच्छा से जुड़ा है। पिछले कुछ दशकों में, खासकर हाल के सालों में रक्षा उत्पादन में जो तरक्की हुई है, वह एक मजबूत स्वदेशी डिफेंस इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम बनाने की सोची-समझी कोशिश को दिखाती है। यह लेख भारत के रक्षा-उत्पादन विकास की खास बातों पर गहराई से बात करेगा, क्योंकि यह अपने 80वें स्वतंत्रता दिवस के करीब पहुंच रहा है, इसकी

ग्रोथ को आगे बढ़ाने वाले कई वजहों को देखेगा, और उन रुकावटों की बारीकी से जांच करेगा जो इसकी पूरी क्षमता को चुनौती दे रही हैं। नेवल डिफेंस के क्षेत्र में काफी तरक्की हुई है। भारत ने आई एन एस विक्रांत जैसे स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर को सफलतापूर्वक डेवलप और डिप्लॉय किया है, जो पहला स्वदेशी रूप से डिजाइन और बनाया गया एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह उपलब्धि भारत को दुनिया भर में एक खास जगह दिलाती है, जो इसकी व्यापक नेवल शिपबिल्डिंग क्षमताओं को दिखाती है। इसके अलावा, स्कॉर्पीन क्लास (फ्रांस के नेवल ग्रुप के साथ मिलकर बनाया गया लेकिन इसमें काफी भारतीय कंटेंट है) और एडवांस्ड पारंपरिक पनडुब्बियों पर फोकस करने वाला आने वाला क्75ढ्ढ प्रोजेक्ट सहित सबमरीन का स्वदेशी विकास, पानी के नीचे की लड़ाई में बढ़ती आत्मनिर्भरता को दिखाता है। एडवांस्ड स्वदेशी हथियारों और सेंसर से लैस डिस्ट्रॉयर, फ्रिगेट और ऑफशोर पेट्रोल वेसल का कंस्ट्रक्शन, भारतीय नेवी की ऑपरेशनल पहुंच और टेक्नोलॉजिकल बढ़त को और मजबूत करता है। थल सेना के लिए स्वदेशीकरण में काफी बढ़ोतरी देखी गई है। अर्जुन जैसे मेन बैटल टैंक (एम बी टी) का प्रोडक्शन, हालांकि शुरुआती विकास में चुनौतियों का सामना कर रहा था, लेकिन अब एक मज़बूत प्लैटफ़ॉर्म बन गया है। इससे भी ज़्यादा ज़रूरी बात यह है कि मॉडर्न आर्टिलरी सिस्टम, जिसमें धनुष टोड आर्टिलरी गन और के9 वज्र-ञ्ज (भारत में लाइसेंस के तहत बनाया गया एक साउथ कोरियन डिज़ाइन) शामिल हैं, के लिए ज़ोर ने इंडियन आर्मी की फायरपावर को बेहतर बनाया है। कलाश्निकोव ए के-203 (भारत में बनी) जैसी देसी असॉल्ट राइफलों का विकास, और अगली पीढ़ी के इन्फेंट्री कॉम्बैट व्हीकल और आर्मर्ड पर्सनल कैरियर के लिए भविष्य के प्रोजेक्ट, ज़मीनी सेना को स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट हथियारों से लैस करने के कमिटमेंट को दिखाते हैं। मिसाइल और रॉकेट का क्षेत्र भारत के लिए लगातार ताकत का क्षेत्र रहा है। इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आई सी बी एम) की अग्नि सीरीज़, पृथ्वी शॉर्ट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल, आकाश सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम, और ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल (रूस के साथ एक जॉइंट वेंचर) का विकास और इंडक्शन मिसाइल टेक्नोलॉजी में भारत की एडवांस्ड क्षमताओं को दिखाता है। ये सिस्टम ज़रूरी रणनीतिक रोकथाम और हमला करने की क्षमता देते हैं। वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग (वी टी ओ एल) मिसाइलों और हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी का चल रहा विकास, मिसाइल युद्ध में सबसे आगे रहने की भारत की इच्छा का और संकेत देता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन सेक्टर में स्वदेशीकरण की तरफ़ काफ़ी ज़ोर देखा गया है। रोहिणी और स्वाति जैसे एडवांस्ड रडार सिस्टम से लेकर इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सुइट्स और सुरक्षित कम्युनिकेशन सिस्टम तक, भारतीय कंपनियां तेज़ी से ज़रूरी कंपोनेंट्स और सबसिस्टम डेवलप और प्रोड्यूस कर रही हैं। इससे विदेशी सप्लायर्स पर निर्भरता कम होती है और रक्षा नेटवर्क के अंदर साइबर सिक्योरिटी बढ़ती है। आखिर में, निजी रक्षा क्षेत्र का विकास एक उल्लेखनीय घटनाक्रम है। ऐतिहासिक रूप से सरकारी कंपनियों का दबदबा रहने के बाद, भारत ने अब निजी क्षेत्र की भागीदारी को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया है। लार्सन एंड टुब्रो, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और महिंद्रा रक्षा सिस्टम्स जैसी कंपनियाँ महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभर रही हैं और विभिन्न रक्षा प्लेटफॉर्म और पुर्जों के डिज़ाइन, विकास और निर्माण में योगदान दे रही हैं। इससे इस क्षेत्र में गतिशीलता, प्रतिस्पर्धा और नवाचार आया है।

विकास के कारक

भारत के रक्षा उत्पादन की प्रभावशाली प्रगति रणनीतिक, आर्थिक और राजनीतिक कारकों के मेल से प्रेरित है। ये कारक आपस में जुड़े हुए हैं और एक-दूसरे को मज़बूत करते हैं, जिससे निरंतर विकास के लिए अनुकूल माहौल बनता है।(ड्ड) सबसे महत्वपूर्ण कारक रणनीतिक स्वायत्तता हासिल करने और विदेशी सैन्य उपकरणों पर निर्भरता कम करने की अटूट प्रतिबद्धता है। तेज़ी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक मज़बूत स्वदेशी रक्षा औद्योगिक आधार का होना बहुत ज़रूरी है। यह सुनिश्चित करता है कि भारत अन्य देशों की नीतियों या रणनीतिक हितों के दबाव में आए बिना अपनी रक्षा ज़रूरतों को पूरा कर सके।

बिलासपुर में तीसरी मल्टीलेवल पार्किंग एक महीने में होगी तैयार, 80 कारों की होगी क्षमता

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। शहर के पुराने बस स्टैंड क्षेत्र में पार्किंग और ट्रैफिक की समस्या से राहत दिलाने के लिए तैयार की जा रही तीसरी मल्टीलेवल पार्किंग का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। करीब 12 करोड़ 60 लाख रुपए की लागत से बन रही यह अत्याधुनिक ऑटोमेटेड शटल टाइप कार पार्किंग लगभग एक महीने में शुरू होने की उम्मीद है नगर निगम और बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा तैयार कराई जा रही इस पार्किंग का नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे ने निरीक्षण किया और अधिकारियों को शेष काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

80 कारों की एक साथ पार्किंग: पुराने बस स्टैंड में करीब 10,500 वर्गफीट जमीन पर बन रही पार्किंग ग्राउंड फ्लोर के अलावा चार मंजिल की होगी। यहां एक साथ करीब 80 कारें पार्क की जा सकेंगी ग्राउंड फ्लोर पर बाइक पार्किंग की सुविधा भी रहेगी। भवन को आधुनिक तकनीक और सुविधाओं के साथ तैयार किया जा रहा है।

लिफ्ट और शटल सिस्टम से होगी पार्किंग: इस पार्किंग की सबसे बड़ी खासियत ऑटोमेटेड पार्किंग व्यवस्था होगी। वाहन चालक निर्धारित ग्राउंड फ्लोर पर कार लेकर पहुंचेगा। इसके बाद लिफ्ट और स्वचालित शटल सिस्टम के जरिए वाहन को निर्धारित पार्किंग स्लॉट तक पहुंचाया जाएगा। इससे कम जगह में अधिक वाहनों को व्यवस्थित तरीके से खड़ा किया जा सकेगा पार्किंग में प्रवेश करते समय वाहन की नंबर प्लेट मशीन से ऑटोमेटिक तरीके से रीड होगी और इसके आधार पर पार्किंग पर्ची जारी की जाएगी। भवन में फायर फाइटिंग सिस्टम भी लगाया जा रहा है। कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पार्किंग शुरू करने से पहले सभी तकनीकी और सुरक्षा व्यवस्थाओं का परीक्षण किया जाए।

तीन साल की देरी से पूरा हो रहा प्रोजेक्ट: पुराने बस स्टैंड की यह परियोजना स्मार्ट सिटी की धीमी गति से चलने वाली परियोजनाओं में शामिल रही है। 12.60 करोड़ रुपए की लागत वाले प्रोजेक्ट का टेंडर 2019 में जारी हुआ था और पांचवीं बार में ठेकेदार मिल सका। निर्माण 2022 में शुरू हुआ और इसे 2023 में पूरा किया जाना था बाद में एक साल का एक्सटेंशन भी दिया गया, लेकिन तय समय में काम पूरा नहीं हो सका अब करीब तीन साल की देरी के बाद परियोजना पूरी होने जा रही है।

पहले की पार्किंग के बावजूद जाम की समस्या: बिलासपुर में कलेक्ट्रेट के बाजू और सिटी कोतवाली थाना परिसर में पहले ही मल्टीलेवल पार्किंग शुरू हो चुकी है। इनके निर्माण के समय गोलबाजार, सदर बाजार, शनिचरी मार्केट और कोतवाली क्षेत्र में पार्किंग व ट्रैफिक की समस्या दूर होने का दावा किया गया था। हालांकि आज भी कलेक्ट्रेट और कोतवाली क्षेत्र में सड़क किनारे बेतरतीब वाहन खड़े होने से जाम की स्थिति बनती है ऐसे में पुराना बस स्टैंड की तीसरी मल्टीलेवल पार्किंग शुरू होने के बाद ट्रैफिक व्यवस्था वास्तव में कितनी सुधरती है यह देखना अहम होगा।

NH-46 पर भारी वाहन ने तीन गायों को कुचला दो घायल गौशाला के बावजूद सड़क पर गौवंश

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। बदरवास थाना क्षेत्र में NH-46 पर सुमेला गांव के पास गुरुवार रात अज्ञात भारी वाहन की टक्कर से तीन गायों की मौत हो गई जबकि दो अन्य गौवंश घायल हो गए हादसे के बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल गायों को प्राथमिक उपचार दिया घटना ने एक बार फिर हाईवे पर खुले में घूम रहे गौवंश की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं सुमेला गांव में गौशाला मौजूद होने के बावजूद गौवंश का हाईवे तक पहुंचना चिंता का विषय बना हुआ है ग्रामीणों के मुताबिक क्षेत्र में पहले भी सड़क पर गौवंश की मौत की घटनाएं हो चुकी हैं कई बार गौवंश को बचाने के प्रयास में वाहन दुर्घटनाग्रस्त भी हुए हैं 31 जुलाई को देहात थाना क्षेत्र में NH-46 पर जियो पेट्रोल पंप के पास अज्ञात भारी वाहन ने सड़क पर बैठे सात गौवंश को कुचल दिया था हादसे में सभी सात गायों की मौके पर ही मौत हो गई थी इसके अगले दिन 1 अगस्त कोलारस थाना क्षेत्र में खाटू श्याम होटल के पास सड़क पर आए गौवंश को बचाने के प्रयास में तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया था। दुर्घटना में एक व्यक्ति को मामूली चोट आई थी सुमेला के पास भी पहले अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बछड़े की मौत हो चुकी है जबकि उसकी मां गाय घायल हुई थी बारिश के मौसम में गौवंश अक्सर सूखी जगह और मक्खियों से बचने के लिए सड़कों पर आकर बैठ जाता है। NH-46 पर तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही के कारण इससे हादसों का खतरा और बढ़ जाता है। गुरुवार रात भी सुमेला के पास सड़क पर मौजूद गौवंश भारी वाहन की चपेट में आ गया लगातार हो रहे हादसों में जहां गौवंश की जान जा रही है वहीं उन्हें बचाने के प्रयास में वाहन चालकों की जान भी खतरे में पड़ रही है गौवंश को सड़क हादसों से बचाने के लिए कलेक्टर अर्पित वर्मा द्वारा आदेश जारी किए जा चुके हैं इसके बावजूद NH-46 पर लगातार हादसे सामने आ रहे हैं सुमेला में गौशाला होने के बाद भी गौवंश का हाईवे तक पहुंचना प्रशासनिक निगरानी और आदेशों के पालन पर सवाल खड़े करता है ग्रामीणों ने गौवंश को सुरक्षित रखने और हाईवे पर ऐसे हादसों को रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था की मांग की है।

आदि कर्म योगी अभियान के तहत बेलबहरा में जनसुनवाई, ग्रामीणों को योजनाओं की दी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आदि कर्म योगी अभियान के तहत ग्राम पंचायत बेलबहरा के पंचायत भवन एवं आदि सेवा केंद्र में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याओं और आवश्यकताओं को सुना गया। साथ ही विभिन्न शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया बताई गई। जनसुनवाई के दौरान अधिकारियों और विभागीय कर्मचारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। ग्रामीणों ने अपनी आवश्यकताओं और स्थानीय समस्याओं से संबंधित जानकारी अधिकारियों के समक्ष रखी। संबंधित विभागों के

कर्मचारियों ने समस्याओं को सुनते हुए योजनाओं और उपलब्ध शासकीय सेवाओं के बारे में जानकारी दी कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं और सेवाओं की जानकारी उनके गांव में ही उपलब्ध कराना रहा ताकि पात्र हितग्राहियों को सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड से मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी दी पात्र ग्रामीणों के आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया भी की गई इसके अलावा किसानों का एग्री-स्टैक पंजीयन कराया गया एग्री-स्टैक पंजीयन से संबंधित प्रक्रिया और इसके उपयोग की जानकारी भी किसानों को दी गई, ताकि वे शासन की कृषि संबंधी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ उठा सकें जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान पात्र हितग्राहियों को राशन कार्ड का वितरण भी किया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को राशन कार्ड से मिलने वाली सुविधाओं और पात्रता संबंधी जानकारी दी अधिकारियों ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए जरूरी दस्तावेज पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी जनसुनवाई के माध्यम से विभिन्न विभागों की सेवाओं को ग्रामीणों के नजदीक पहुंचाने का प्रयास किया गया कार्यक्रम के जरिए ग्रामीणों को शासन की योजनाओं से जोड़ने और पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया इससे ग्रामीणों को अपने गांव में ही कई जरूरी शासकीय सेवाओं का लाभ मिलने की सुविधा उपलब्ध हुई।

28.14 करोड़ की मूंग घोटाले में 15 दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं, FIR वाले वेयरहाउस में फिर खरीदी शुरू

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में सरकारी मूंग खरीदी में सामने आए 28.14 करोड़ रुपए के कथित घोटाले को 15 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है दूसरी ओर जिन वेयरहाउस में अनियमितता सामने आने के बाद एफआईआर दर्ज हुई थी, उनमें से चेतन और राधा कृष्ण वेयरहाउस में दोबारा मूंग खरीदी शुरू कर दी गई है इससे सरकारी खरीदी की पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं माखननगर के गुराड़िया कला स्थित कनकधारा वेयरहाउस में वर्ष 2023-24 और 2024-25 की करीब 31,298.89 क्विंटल मूंग में मिट्टी और अन्य पदार्थ मिलने का मामला सामने आया था इसकी अनुमानित कीमत 28.14 करोड़

रुपए बताई गई 22 जुलाई को कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर एसडीएम देवेंद्र प्रताप सिंह की टीम ने जांच की थी इसके बाद वेयरहाउस सील कर 29 जुलाई को माखननगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई मामले में वेयरहाउस संचालक तारेश पुरोहित, तत्कालीन शाखा प्रबंधक श्याम होसले और जिला प्रबंधक वासुदेव दावंडे को आरोपी बनाया गया है एफआईआर के बाद जिला प्रबंधक दावंडे के फरार होने की बात सामने आई है पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है चेतन वेयरहाउस फुरतला और राधा कृष्ण वेयरहाउस काजलखेड़ी में भी अमानक मूंग और किसानों की आड़ में व्यापारियों की उपज खरीदे जाने के आरोप लगे प्रशासन ने दोनों मामलों में संबंधित संचालकों, समिति प्रबंधकों और सर्वेयरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई दो दिन खरीदी बंद रहने के बाद तीसरे दिन दोनों केंद्रों पर फिर खरीदी शुरू कर दी गई जिला विपणन अधिकारी अनिल जैन के अनुसार अन्य वेयरहाउस धान-गेहूं के स्टॉक से भरे हैं इसलिए किसानों की सुविधा के लिए फिलहाल इन्हीं केंद्रों पर खरीदी कराई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि शाखा प्रबंधक की निगरानी में खरीदी हो रही है और जगह खाली होने पर स्टॉक दूसरे वेयरहाउस में शिफ्ट किया जाएगा इस बीच खरीदी केंद्रों के बाहर किसानों की लंबी कतारें लगी हैं एक ओर किसान उपज बेचने के लिए इंतजार कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर लगातार सामने आ रही गड़बड़ियों से व्यवस्था की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं अब निगाहें पुलिस जांच और प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

बारिश के बीच जोश और उत्साह के साथ सम्पन्न हुई जिला स्तरीय स्वतंत्रता दौड़

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जिले में देशभक्ति, एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला स्तरीय स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। लगातार हो रही बारिश भी प्रतिभागियों के उत्साह को कम नहीं कर सकी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, युवाओं अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों ने पूरे जोश के साथ दौड़ में भाग लेकर राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया प्रातः 7:00 बजे स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, मनेन्द्रगढ़ से स्वतंत्रता दौड़ का शुभारंभ हुआ कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रतिमा यादव, अध्यक्ष नगर पालिका मनेन्द्रगढ़ ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े, पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी और बड़ी संख्या

में नागरिक उपस्थित रहे दौड़ निर्धारित मार्ग से होते हुए पीडब्ल्यूडी तिराहा पहुंची और वहां से आमाखेरवा मैदान में सम्पन्न हुई इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने कहा कि स्वतंत्रता दौड़ केवल एक खेल गतिविधि नहीं बल्कि राष्ट्रप्रेम, अनुशासन एकता और स्वस्थ जीवन का संदेश देने वाला आयोजन है उन्होंने कहा कि हम सभी को सदैव शारीरिक रूप से स्वस्थ और फिट रहने का प्रयास करना चाहिए तथा ऐसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर सहभागिता करनी चाहिए उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश के प्रति समर्पित रहें, हर परिस्थिति में राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें और अपने कार्यों एवं योगदान से भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का भी आह्वान किया पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि लगातार हो रही बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में युवाओं, विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक दौड़ में भाग लेकर अपने जोश अनुशासन और देशभक्ति का परिचय दिया है उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों का यह उत्साह पूरे जिले के लिए प्रेरणादायी है उन्होंने सभी प्रतिभागियों नागरिकों तथा आयोजन से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमें स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग बलिदान और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण की याद दिलाते हैं तथा उनके आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देते हैं उन्होंने सभी से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने तथा देशभक्ति अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने टीबी हारेगा देश जीतेगा अभियान का संदेश देते हुए कहा कि यदि टीबी की समय पर पहचान और सही उपचार किया जाए तो यह बीमारी पूरी तरह ठीक हो सकती है ।

कोलारस बायपास क्रॉसिंग पर लगातार दूसरे दिन सड़क हादसा, बाइक सवार गंभीर कार चालक फरार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के कोलारस थाना क्षेत्र में अन्नपूर्णा होटल के सामने बायपास क्रॉसिंग हादसों का केंद्र बनता जा रहा है लगातार दूसरे दिन गुरुवार रात इसी स्थान पर सड़क दुर्घटना हुई। रात करीब 10:30 बजे शिवपुरी की ओर से बाइक से आ रहे ब्रजेश जाटव को तेज रफ्तार कार ने पीछे से टक्कर मार दी हादसे में ब्रजेश गंभीर रूप से घायल हो गए टक्कर इतनी जोरदार थी कि उसकी आवाज आसपास तक सुनाई दी आवाज सुनकर होटल और आसपास मौजूद लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे होटल पर मौजूद कोलारस निवासी शैलेश राजोरिया, सिद्धार्थ जैन, समर जैन, देव शिवहरे और संस्कार जैन ने घायल ब्रजेश की मदद की। उन्होंने बिना देर किए अपने निजी वाहन से घायल को कोलारस अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है हादसे के बाद कार चालक मौके पर नहीं रुका और वाहन लेकर फरार हो गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई

है पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है हादसे की पूरी घटना कैमरे में रिकॉर्ड हुई है फुटेज के आधार पर पुलिस फरार कार और उसके चालक की पहचान करने का प्रयास कर रही है। **बुधवार को भी हुआ था बड़ा हादसा:** इसी बायपास क्रॉसिंग पर बुधवार को भी गंभीर सड़क हादसा हुआ था नोहरी कला निवासी 40 वर्षीय हरि सिंह जाटव बाइक से पनवारी जा रहे थे इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार कंटेनर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी थी टक्कर के बाद हरि सिंह बाइक समेत कंटेनर के आगे फंस गए और कुछ दूरी तक सड़क पर घिसटते चले गए इस हादसे में भी वे गंभीर रूप से घायल हुए थे घटना का वीडियो भी सामने आया था लगातार दो दिनों में एक ही स्थान पर हुए हादसों के बाद स्थानीय लोगों में सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है लोगों ने बायपास क्रॉसिंग पर यातायात व्यवस्था मजबूत करने और तेज रफ्तार वाहनों पर कार्रवाई की मांग की है।

ट्रेनी IPS राहुल बंसल पर 1 करोड़ रिश्वत के आरोप CBI कोर्ट का नोटिस ASI और कॉन्स्टेबल लाइन अटैच

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ट्रेनी IPS और अंबिकापुर CSP राहुल बंसल पर साइबर ठगी के एक मामले में हवाला के जरिए 1 करोड़ रुपए रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया है मामले में हरियाणा निवासी आकाश कुमार ने दिल्ली की CBI स्पेशल कोर्ट में परिवाद दायर किया है कोर्ट ने मामले में नोटिस जारी किया है और अगली सुनवाई 18 अगस्त को निर्धारित की गई है शिकायत के साथ WhatsApp चैट, कॉल रिकॉर्डिंग और शपथ-पत्र भी पेश किए गए हैं शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अंबिकापुर साइबर सेल में पदस्थ ASI प्रवीण कुमार राठौर और आरक्षक अंशुल शर्मा के जरिए रिश्वत का सौदा किया गया आरोप है कि 1 करोड़ रुपए की रकम हवाला ऑपरेटरों के माध्यम से दो

किश्तों में 50-50 लाख रुपए पहुंचाई गई। परिवाद में राहुल बंसल, प्रवीण कुमार राठौर और अंशुल शर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और 7 सहित BNS की धाराओं के तहत FIR दर्ज करने की मांग की गई है मामले में छत्तीसगढ़ DGP को भी नोटिस जारी किए जाने की बात सामने आई है वायरल ऑडियो के बाद ASI और कॉन्स्टेबल पर कार्रवाई वायरल ऑडियो सामने आने के बाद सरगुजा IG दीपक कुमार झा ने ASI प्रवीण कुमार राठौर और कॉन्स्टेबल अंशुल शर्मा को पुलिस लाइन अटैच कर दिया है। IG का कहना है कि CSP राहुल बंसल के खिलाफ रिश्वत के आरोपों को साबित करने वाला कोई सबूत अब तक सामने नहीं आया है वायरल ऑडियो के आधार पर दोनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है IG के मुताबिक साइबर रेंज थाना अंबिकापुर में दर्ज ठगी के मामले की जांच CSP राहुल बंसल के नेतृत्व में की जा रही थी इस मामले में अलग-अलग राज्यों से अब तक 23 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है 20 लाख की साइबर ठगी से जुड़ा मामला पूरा मामला अंबिकापुर के क्रशर संचालक रवि मोहन गोस्वामी से हुई साइबर ठगी से जुड़ा है शिकायत के मुताबिक शेयर मार्केट में ट्रेडिंग के नाम पर मनी ट्रेड 365 और स्काई ट्रेड एप्लीकेशन इंस्टॉल कराकर उनसे 20 लाख 15 हजार रुपए की ठगी की गई रकम 17-18 अलग-अलग बैंक खातों में 84 किश्तों के जरिए जमा कराई गई थी पुलिस ने BNS और IT एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी शिकायतकर्ता आकाश कुमार का आरोप है कि केस में जल्द चालान पेश करने और जांच में रियायत देने के बदले 1 करोड़ रुपए की मांग की गई आरोपों के मुताबिक, कॉन्स्टेबल अंशुल शर्मा ने मोबाइल खराब होने की बात कहकर रकम एक मोबाइल दुकान पर छोड़ने के लिए कहा था इस बातचीत का कथित ऑडियो वायरल हुआ है फिलहाल पुलिस विभाग ने दो कर्मचारियों को लाइन अटैच कर दिया है जबकि राहुल बंसल के खिलाफ आरोपों की पुष्टि को लेकर पुलिस ने सबूत नहीं मिलने की बात कही है अब मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी जिस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

NH-46 की सर्विस रोड पर मिला नवजात बच्ची का शव, माता-पिता की पहचान पिता लापता

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। बदरवास थाना क्षेत्र में NH-46 की सर्विस रोड पर शुक्रवार को कपड़ों में लिपटा नवजात बच्ची का शव मिलने से सनसनी फैल गई शव बुड़ाडोंगर गांव के पास ओवरब्रिज की सर्विस रोड पर मिला सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की पुलिस ने शुक्रवार दोपहर तक बच्ची के माता-पिता की पहचान कर ली दोनों रन्नौद थाना क्षेत्र के खेरोना गांव के निवासी निदिया आदिवासी और जितेंद्र आदिवासी बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार निदिया ने गुरुवार रात घर पर ही बेटी को जन्म दिया था डिलीवरी आशा कार्यकर्ता की मदद से हुई थी जन्म के बाद नवजात को बदरवास स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया इसके बाद बच्ची का शव परिजनों को दफनाने के लिए सौंप दिया गया था हालांकि स्वास्थ्य केंद्र से करीब 10 किलोमीटर दूर शव NH-46 की सर्विस रोड तक कैसे पहुंचा यह अभी स्पष्ट नहीं है पुलिस इस पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है बीएमओ चेतेंद्र कुशवाह के मुताबिक नवजात को स्वास्थ्य केंद्र में मृत अवस्था में लाया गया था डिलीवरी करीब सात माह की बताई गई है परिजनों को शव दफनाने के लिए सौंपा गया था बच्ची की मां निदिया अभी अस्पताल में भर्ती है जबकि उसका पति जितेंद्र गुरुवार रात से लापता बताया जा रहा है बदरवास थाना प्रभारी नवीन यादव ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज की जा रही है पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि स्वास्थ्य केंद्र से शव ले जाने के बाद वह NH-46 की सर्विस रोड तक किन परिस्थितियों में पहुंचा और उसे वहां किसने छोड़ा मामले की जांच के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

हर हाथ में तिरंगा, हर दिल में देशभक्ति शहर में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, जगह-जगह हुआ स्वागत

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत जिला प्रशासन ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत आज जिला प्रशासन द्वारा शहर में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। देशभक्ति के रंग में रंगी इस यात्रा में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विद्यार्थियों, खिलाड़ियों और शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। यात्रा की सबसे खास बात यह रही कि इसमें शामिल हर व्यक्ति के हाथ में तिरंगा और दिल में देशभक्ति का जज्बा नजर आया। तिरंगे के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते नागरिकों ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता, भाईचारे और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। पूरे मार्ग में देशभक्ति का उत्साह और उमंग देखते ही बन रही थी। इस अवसर पर विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने यात्रा को संबोधित करते हुए बड़ी संख्या में शामिल नागरिकों का आभार व्यक्त किया और तिरंगा यात्रा को भव्य एवं सफल बनाने के लिए सभी को धन्यवाद दिया। विधायक श्री टंडन ने कहा कि हमारा देश विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों और विभिन्न संप्रदायों को मानने वाला देश है, तिरंगे के सम्मान में हम सभी एकजुट होकर खड़े हैं। तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है तथा यह देश की एकता और अखंडता का संदेश देता है।उन्होंने कहा कि देश को आजादी आसानी से नहीं मिली। स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए हमारे वीर शहीदों और महान क्रांतिकारियों ने अपने

प्राणों का बलिदान दिया। उनके त्याग और संघर्ष के परिणामस्वरूप ही आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह देश की स्वतंत्रता, एकता और अखंडता के महत्व को समझे तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाए। विधायक श्री टंडन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक भारत को दुनिया का सबसे शक्तिशाली और विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है। इस दिशा में देश निरंतर प्रगति कर रहा है और विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति में युवाओं और बच्चों की महत्वपूर्ण भूमिका है। बच्चों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे जिस भी क्षेत्र में जाएं, वहां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करें और अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, किसानों को उन्नत खेती के अवसर प्राप्त हों और व्यवसाय एवं रोजगार के क्षेत्र में भी निरंतर विकास हो–इन सभी क्षेत्रों को आगे बढ़ाकर ही हम भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर राष्ट्र बना सकते हैं। इस अवसर पर विधायक श्री टंडन ने नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों से भी अवगत कराया। उन्होंने युवाओं एवं आमजन से नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ, सकारात्मक और संस्कारयुक्त जीवन अपनाने का आह्वान किया। सभा के अंत में स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। तिरंगा यात्रा में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, विदिशा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी, श्री राकेश जादौन, श्री राकेश शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी और विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, स्कूली छात्र-छात्राएं, खिलाड़ी तथा सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए। शहर के गणमान्य नागरिकों ने भी उत्साह के साथ यात्रा में भाग को भव्यता प्रदान की।

भव्य तिरंगा यात्रा में गूंजे देशभक्ति के उद्घोष, स्थानीय नागरिकों ने पुष्पवर्षा से किया आत्मीय स्वागतः

शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से भव्य तिरंगा यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए माधवगंज पहुंचकर संपन्न हुई। तिरंगा यात्रा गुलाब वाटिका, डंडापुरा, बड़ा बाजार, तिलक चौक एवं निकासा से होकर गुजरी। यात्रा के दौरान नगरवासियों में देशभक्ति और उत्साह का अद्भुत माहौल देखने को मिला। मार्ग में स्थानीय नागरिकों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर तिरंगा यात्रा का आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया। हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ लोगों ने यात्रा में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पूरे नगर में राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश देते हुए यह यात्रा आकर्षण का केंद्र बनी रही।

खंडवा में लहरों के बीच तैराकों ने निकाली तिरंगा यात्रा

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देशभक्ति का जज्बा दिखाने के लिए एक अनोखी तिरंगा यात्रा निकाली गई। आबना नदी के गणगौर घाट क्षेत्र में 'लहरों के राजा' तैराक दल के सदस्यों ने नदी की लहरों के बीच तिरंगा यात्रा निकाली। तैराक हाथों में तिरंगा लेकर नदी में तैरते हुए आगे बढ़े और बीच पानी में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देश को सलामी दी। हर साल की तरह इस बार भी लहरों के राजा ग्रुप के सदस्यों ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यह विशेष आयोजन किया। यात्रा के दौरान तैराकों ने नदी के बीच पहुंचकर तिरंगा लहराया। दल के कुछ सदस्य गहरे पानी में भी उतरे और वहां तिरंगा फहराया। नदी की लहरों के बीच तिरंगे के साथ तैरते युवाओं का दृश्य देखते ही बन रहा था। इस दौरान जन-गण-मन का गायन भी किया गया।

हर साल निकालते हैं तिरंगा यात्रा: लहरों के राजा ग्रुप के सदस्य राजकुमार सिसोदिया ने बताया कि हर वर्ष 15 अगस्त के अवसर पर तिरंगा यात्रा निकाली जाती है। इसका उद्देश्य लोगों के भीतर देशभक्ति की भावना और जोश पैदा करना है। उन्होंने कहा कि जब लोग नदी में तिरंगे के साथ तैरते सदस्यों को देखते हैं तो उनके अंदर भी देशप्रेम की भावना जागृत होती है। इस यात्रा को लेकर ग्रुप के सदस्यों में हर साल खास उत्साह रहता है।

'कुछ अलग करने का विचार आया': ग्रुप के सदस्य संजय शर्मा ने बताया कि देशभर में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत स्वतंत्रता दिवस मनाया जा रहा है। इसी दौरान ग्रुप के सदस्यों के मन में विचार आया कि तिरंगे की आन-बान-शान के लिए कुछ अलग किया जाए। इसके बाद आमना नदी के बीच तिरंगा फहराने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि यह आयोजन हर वर्ष किया जाता है और नदी में तैराकी के दौरान सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाता है। उनके अनुसार इस यात्रा में अलग-अलग धर्म और समुदायों के लोग शामिल होते हैं। सभी सदस्य मिलकर राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति का संदेश देते हैं।

नदी में तैराकी के साथ फिटनेस का संदेश भी: लहरों के राजा ग्रुप के सदस्य आमना नदी में तैराकी के माध्यम से युवाओं को फिटनेस के लिए भी प्रेरित करते हैं। संजय शर्मा ने बताया कि तैराकी शरीर को फिट रखने का बेहतर माध्यम है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर नदी के बीच तिरंगा फहराकर उन्होंने देशभक्ति के साथ फिटनेस और साहस का संदेश भी दिया। गणगौर घाट क्षेत्र में जब तैराक दल के सदस्य तिरंगा लेकर नदी की लहरों के बीच पहुंचे तो वहां मौजूद लोगों का ध्यान भी उनकी ओर आकर्षित हुआ। पानी के बीच लहराता तिरंगा और उसके साथ तैरते युवा देशभक्ति से सराबोर नजर आए।

अलग-अलग धर्मों के लोग हुए शामिल: इस तिरंगा यात्रा की खास बात यह रही कि इसमें हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई समुदायों से जुड़े लोग भी शामिल हुए। सभी ने एक साथ नदी में तैरते हुए राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। कहा कि तिरंगा सभी देशवासियों को एकता के सूत्र में बांधता है और इसी भावना के साथ यह यात्रा निकाली गई। गौरतलब है कि पीएम नरेंद्र मोदी भी तीन साल पहले सोशल मीडिया पर यह वीडियो शेयर कर प्रशंसा कर चुके हैं।

महाविद्यालयों में भी चलेगा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। । प्रदेश के शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान चलाया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। शासन के निर्देश के अनुसार 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान व्यापक रूप से संचालित किया जाना है। उच्च शिक्षा संस्थानों में अभियान की गतिविधियों को आयोजित कर पौधरोपण को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया है। अभियान के अंतर्गत लगाए गए पौधों की जानकारी Meri LiFE पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

पौधों की देखभाल पर रहेगा विशेष जोर: विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि पौधरोपण के साथ उनकी जीवितता और संरक्षण को भी प्राथमिकता दी जाए। इसके लिए पौधों को पानी देने, उनकी सुरक्षा करने तथा आवश्यकता के अनुसार नियमित देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश हैं। नए पौधरोपण के साथ पूर्व में लगाए गए पौधों के संरक्षण पर भी ध्यान दिया जाएगा। अभियान के दौरान विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण से संबंधित गतिविधियों में शामिल किया जाएगा। पौधरोपण के साथ जल संरक्षण, स्वच्छता, प्लास्टिक के उपयोग में कमी तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता जैसी गतिविधियों को भी अभियान से जोड़ने पर जोर दिया गया है। अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रकृति के साथ जुड़ने और पर्यावरण संरक्षण को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

मां की स्मृति से जुड़ेगा पौधरोपण: 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में लगाए जाने वाले पौधे को मां की स्मृति और सम्मान से जोड़ने की परिकल्पना की गई है।

11 फीट का सांप 20 फीट पाइप में घुसा: खेत में पानी भरने पहुंची महिला ने देखा, सर्पमित्रों ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

मीडिया ऑडीटर, इटारसी(निप्र)। पथरौटा एमईएस बैरियर के पास एक खेत में पानी भरने पहुंची महिला ने करीब 11 फीट लंबा धामन सांप देखा। महिला के शोर मचाने पर परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक सांप पास रखे 20 फीट लंबे स्प्रिंकलर पाइप में घुस गया था। इसके बाद सर्पमित्रों को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर सर्पमित्र हर्ष प्रजापति और अमन प्रजापति तुरंत मौके पर पहुंचे। सांप के 20 फीट लंबे स्प्रिंकलर पाइप में घुस जाने के कारण रेस्क्यू टीम को उसे बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। सर्पमित्रों ने सावधानीपूर्वक सांप को पाइप से सुरक्षित बाहर निकाला। सर्पमित्रों ने सांप की पहचान धामन प्रजाति के रूप में की, जिसकी लंबाई 11 फीट से अधिक थी। उन्होंने बताया कि धामन एक गैर-विषैला सांप है और मनुष्यों के लिए नुकसान नहीं होता। सफल रेस्क्यू के बाद, सांप को उसके प्राकृतिक आवास तवा नगर के जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया। सर्पमित्र हर्ष प्रजापति ने बताया कि बरसात के मौसम में सांपों के बिलों में पानी भर जाने के कारण वे अक्सर सूखी और गर्म जगहों की तलाश में घरों, खेतों या आसपास रखे सामान में आ जाते हैं। उन्होंने जनता से अपील की है कि बारिश के दौरान विशेष सावधानी बरतें।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिलेभर में निकली तिरंगा रैलियां

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में ''हर घर तिरंगा अभियान'' के तहत अनेक नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भव्य तिरंगा रैलियों का आयोजन किया गया। रैलियों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों से पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। शाहगंज में आयोजित तिरंगा रैली में विधायक श्री रमाकांत भार्गव शामिल हुए। उन्होंने नागरिकों एवं विद्यार्थियों के साथ हाथों में तिरंगा लेकर रैली में सहभागिता की और हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने का संदेश दिया। वहीं भैरूंदा में आयोजित तिरंगा रैली में

मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री रवि मालवीय शामिल हुए। रैली में बड़ी संख्या में नागरिकों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिले के आष्टा, भैरूंदा, शाहगंज, श्यामपुर, जावर सहित अनेक नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में तिरंगा रैलियां निकाली गईं। विभिन्न ग्राम पंचायतों में भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और ग्रामीणों ने उत्साह के साथ रैली में सहभागिता की। रैलियों में शामिल लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाए और राष्ट्र के प्रति एकता एवं समर्पण का संदेश दिया। जिले के अनेक शैक्षणिक संस्थानों द्वारा भी तिरंगा रैलियों का आयोजन किया गया। विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं हाथों में तिरंगा लेकर रैली में शामिल हुए। विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। रैलियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने देश की स्वतंत्रता के महत्व, राष्ट्रध्वज के सम्मान और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को स्वतंत्रता दिवस के उत्सव से जोड़ना और तिरंगे के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना को मजबूत करना है। अभियान के माध्यम से नागरिकों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि स्वतंत्रता दिवस केवल एक सरकारी आयोजन न रहकर प्रत्येक परिवार और प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय पर्व बने। तिरंगा रैलियों में उमड़ा जनसैलाब जिले में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की मजबूत भावना को प्रदर्शित करता रहा। रैलियों के दौरान ''भारत माता की जय, वंदे मातरम'' जैसे देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंजता रहा। जिलेभर में आयोजित इन रैलियों ने स्वतंत्रता दिवस के प्रति उत्साह और राष्ट्रीय गौरव की भावना को और मजबूत किया।

नेपानगर में बिजली पोल पर सफाईकर्मी को लगा करंट

बिजली लाइन ठीक करते समय हादसा, बुरहानपुर रेफर; लापरवाही का आरोप

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले के नेपानगर में शुक्रवार दोपहर बिजली लाइन दुरुस्त करते समय नगर पालिका के एक कर्मचारी को करंट लग गया। करंट लगने के बाद कर्मचारी पोल पर लगे झूले में अटक गया। स्थानीय लोगों ने उसे नीचे उतारकर नेपा लिमिटेड के अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत को देखते हुए उसे बुरहानपुर रेफर किया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे महात्मा गांधी वार्ड क्रमांक 20 में आंगनवाड़ी के पास हुई। करंट लगने के बाद कर्मचारी के हाथ बिजली के तारों से नहीं चिपके और वह झूले में लटक गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

सफाईकर्मी से इलेक्ट्रिक हेल्पर का काम भी: करंट की चपेट में आए कर्मचारी की पहचान

नगर पालिका सफाईकर्मी ललित डुलगज (35) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से सफाईकर्मी है, लेकिन नगर पालिका द्वारा उससे इलेक्ट्रिक हेल्पर और वाहन चालक का काम भी लिया जाता है। शुक्रवार को उसे बिजली लाइन दुरुस्त करने के लिए पोल पर चढ़ाया गया था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पालिका ने कर्मचारी को बिना सुरक्षा उपकरण के बिजली लाइन सुधारने के काम में लगाया था। इसे लेकर कर्मचारी के समाज के लोगों ने अस्पताल में नाराजगी जताई। निलेश कटारिया ने आरोप लगाया कि नगर पालिका में हर साल ठेका होता है, लेकिन कर्मचारियों को सुरक्षा सामग्री उपलब्ध नहीं कराई जाती। उन्होंने कहा कि यदि कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण नहीं दिए गए तो समाज के लोग आंदोलन करेंगे।

छतरपुर में कार डिवाइडर से टकराई, क्षतिग्रस्त

लोगों का आरोप- रात में डिवाइडर दिखाई नहीं देता, सड़क किनारे अतिक्रमण से भी बढ़ रहा खतरा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर शहर के जवाहर मार्ग पर गुरुवार रात एक कार अनियंत्रित होकर सड़क के बीच बने डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसा बस स्टैंड के पास छतरपुर-सागर रोड पर हुआ। टक्कर के बाद सफेद रंग की कार MP 13ZU 8303 बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने मिलकर काफी मशक्कत के बाद कार को डिवाइडर से बाहर निकाला। स्थानीय स्तर पर ही बचाव कार्य कर वाहन को सड़क से हटाया गया।

डिवाइडर पर रेडियम नहीं, रात में दिखाई नहीं देता: हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क के बीच बने डिवाइडर के निर्माण और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। लोगों का आरोप है कि डिवाइडर पर

पर्याप्त रेडियम, रिफ्लेक्टर या चेतावनी संकेतक नहीं लगाए गए हैं। रात के समय डिवाइडर स्पष्ट दिखाई नहीं देता, जिससे वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों ने कहा कि सड़क पर वाहन चलाते समय अचानक डिवाइडर सामने आने से हादसे हो सकते हैं। उन्होंने डिवाइडर पर रेडियम और पर्याप्त चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की है।

● अतिक्रमण से सड़क हुई संकरी

लोगों ने सड़क किनारे अतिक्रमण का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना है कि सड़क के बीच डिवाइडर तो बना दिए गए हैं, लेकिन किनारों पर फैले अतिक्रमण को हटाने के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इससे सड़क की वास्तविक चौड़ाई कम हो गई है। वाहनों का दबाव बढ़ने पर यहां अक्सर जाम की स्थिति बनती है। और अव्यवस्थित डिवाइडर दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा रहे हैं।

● PWD और नगरीय प्रशासन से कार्रवाई की मांग

स्थानीय निवासियों ने लोक निर्माण विभाग और नगरीय प्रशासन पर सड़क सुरक्षा को लेकर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

मंदसौर में 24 घंटे में हुई 0.08 इंच बारिश:3 दिन बाद थमा बरसात का दौर; अगले कुछ दिन हल्की बारिश के आसार

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में पिछले तीन-चार दिनों से जारी झमाझम बारिश का दौर अब धीमा पड़ गया है। पिछले 24 घंटों में जिले में केवल 0.08 इंच बारिश दर्ज की गई है। मंदसौर शहर समेत अधिकांश हिस्सों में फिलहाल बूंदाबांदी और हल्की फुहारें ही पड़ रही हैं। हालांकि मानसून की सक्रियता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है और आने वाले दिनों में फिर स्थानीय स्तर पर बारिश होने की संभावना बनी हुई है।

कई इलाकों में रुक-रुककर बारिश: जिले के दलौदा, अफजलपुर, सीतामऊ, नाहरगढ़, भानपुरा, गरोठ, सुवासरा, शामगढ़, मल्हारगढ़, पिपलियामंडी, नारायणगढ़, डिगांव और बरखेड़ा सहित कई क्षेत्रों में रुक-रुककर

हल्की बारिश जारी है। इस मानसून सीजन में मंदसौर जिले में अब तक कुल 19.68 इंच बारिश हो चुकी है। यह पिछले साल की इसी अवधि में दर्ज 19.76 इंच बारिश से 0.08 इंच कम है।

नदी-नालों के पास सावधानी की अपील: हाल ही में हुई तेज बारिश के कारण जिले के नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया है। इसे देखते हुए प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि पानी का बहाव कम होने तक नदी-नालों की पुलिया पार करने का जोखिम न लें। 14 अगस्त को मंदसौर जिले में मौसम बादलों वाला बना हुआ है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, दिन का तापमान 24 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक भी हो सकती है। हवा की रफ्तार 15 से 22 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने का अनुमान है।

15 से 20 अगस्त तक ऐसा रहेगा मौसम

15 अगस्त को मौसम मुख्यतः बादल वाला रहने के साथ हल्की बारिश की संभावना है। तापमान करीब 24 से 30 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। 16 से 18 अगस्त के बीच मौसम में ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं है। आसमान में बादल छाए रह सकते हैं और जिले के कुछ हिस्सों में रुक-रुककर बारिश हो सकती है।

मानसून पूरी तरह शांत नहीं

मौसम विभाग के मुताबिक मंदसौर में मानसून पूरी तरह शांत होता नजर नहीं आ रहा है। अगले कुछ दिनों तक बादल, उमस और रुक-रुककर बारिश का दौर बना रह सकता है।

नर्मदापुरम में 19.68 किलो संदिग्ध घी जब्त:खाद्य विभाग ने दूध-घी के 7 नमूने लिए

मीडिया ऑडीटर,इटारसी (निप्र)। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने गुरुवार शाम को नर्मदापुरम और इटारसी में दूध व दुग्ध उत्पादों में मिलावट रोकने के लिए बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान इटारसी से 19.68 किलोग्राम संदिग्ध घी जब्त किया गया और पनीर, सोया पनीर व घी के कुल 7 नमूने जांच के लिए लिए गए। यह कार्रवाई कलेक्टर सोमेश मिश्रा और नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा थी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश एस. दियावार ने नर्मदापुरम में ब्लिंकिट (Blinkit) और रिलायंस स्मार्ट (Reliance Smart) का निरीक्षण किया, जहां से पनीर और सोया पनीर के 3 नमूने लिए गए। इसके बाद इटारसी स्थित

कर्मा एजेंसी का औचक निरीक्षण किया गया। यहां जांच के दौरान 'प्योरश्योर' (Purasure) घी के 4 नमूने लिए गए और संदेह के आधार पर 19.68 किलोग्राम घी जब्त किया गया। सभी 7 नमूनों को राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पिछले सात दिनों में खाद्य विभाग ने अपनी कार्रवाई का दायरा बढ़ाया है।

न्यूजीलैंड फुटबॉल ने फीफा प्रमुख से समर्थन वापस लिया, इन्फेंटिनो की मुश्किल बढ़ी

ऑकलैंड ,एजेंसीं। न्यूजीलैंड फुटबॉल (एनजेडएफ) ने घोषणा की है कि उसने 2027 फीफा कांग्रेस में फीफा अध्यक्ष के तौर पर जियानी इन्फेंटिनो की उम्मीदवारी के लिए अपना समर्थन आधिकारिक तौर पर वापस ले लिया है। साथ ही, फीफा फॉरवर्ड एंटरप्राइज (एफएफई) स्कीम के स्वतंत्र समीक्षा की भी मांग की है। न्यूजीलैंड फुटबॉल हालिया ऐसा संस्थान है जिसने आधिकारिक तौर पर इन्फेंटिनो का फीफा से अगले अध्यक्ष पद पर समर्थन से इनकार कर दिया है। इससे इन्फेंटिनो की मुश्किल निश्चित रूप से बढ़ी है। इन्फेंटिनो अगले साल फिर से चुनाव लड़ना चाहते हैं। उन्होंने विश्व कप के कमर्शियल राइट्स को अलग करने और 20 प्रतिशत निजी निवेश को बेचकर लगभग 7.2 बिलियन यूएसडी जुटाने का प्रस्ताव रखा था। आलोचना के बाद उन्हें अपनी योजना वापस लेनी पड़ी। न्यूजीलैंड फुटबॉल ने एक बयान में कहा, 'ध्यान से सोचने के बाद, एनजेडएफ का मानना ??है कि फीफा के फैसलों और कामों की वजह से अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में भरोसा टूटा है और फूट बढ़ी है। भरोसा और विश्वास वापस लाने के लिए एक स्वतंत्र समीक्षा की जरूरत है। ' एनजेडएफ ने कहा, 'हमारा मानना है कि यह समय सभी फीफा सदस्य एसोसिएशन के लिए मजबूत गवर्नेंस, जवाबदेही और ट्रांसपेरेंसी की वकालत करने का मौका है, जो वैश्विक खेल के प्रशासन का भरोसा बनाए रखने के लिए जरूरी हैं। ' न्यूजीलैंड फुटबॉल का यह बयान ओशिनिया फुटबॉल कन्फेडरेशन (ओएफसी) की कार्यकारी समिति की बैठक के बाद आया, जिसके बाद बॉडी ने एफएफई प्रस्ताव वापस लेने के फीफा के फैसले और प्रोजेक्ट से जुड़े मुद्दों की समीक्षा करने की उसकी प्रतिबद्धता का स्वागत किया।

कैनेडियन ओपन: इगा स्वियाटेक ने जीता महिला एकल का खिताब, एलेना रायबाकिना 6-2, 6-3 से हारीं

टोरंटो,एजेसीं। पौलैंड की इगा स्वियाटेक ने कैनेडियन ओपन 2026 महिला एकल का खिताब जीत लिया है। टोरंटो में खेले गए फाइनल मुकाबले में स्वियाटेक ने कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना को 6-2, 6-3 से हराकर खिताब अपने नाम किया। स्वियाटेक का इस सीजन का यह पहला खिताब है। टूर्नामेंट में जारी अपने शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए पोलैंड की सातवीं सीड खिलाड़ी स्वियाटेक ने पहले सेट में ही बढ़त बना ली थी, जबकि दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी रायबाकिना ने लगातार दो डबल फॉल्ट पर ब्रेक पॉइंट गंवा दिया। स्वियाटेक के पहला सेट जीतने के लिए रायबाकिना की यह गलती काफी थी। दूसरे सेट में भी रायबाकिना को अपनी गलतियों का नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने दो मिस्ड बैकहैंड ने स्वियाटेक को एक और ब्रेक दिया।

पदक का सूखा खत्म करने का इरादा: मनप्रीत सिंह

मेरा आखिरी विश्व कप हो सकता है

भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा है कि एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 उनके करियर का आखिरी विश्व कप हो सकता है। मनप्रीत ने कहा कि वह विश्व कप को जीतकर इसे यादगार बनाना चाहते हैं। मनप्रीत ने जियोस्टार पर कहा, 'यह विश्व कप मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह मेरा चौथा विश्व कप है। हमने लगातार दो ओलंपिक पदक जीते हैं, लेकिन विश्व कप पदक अभी भी बाकी है। हर खिलाड़ी का सपना होता है कि दोनों हों। मेरे लिए, यह मेरा आखिरी विश्व कप हो सकता है, इसलिए मैं इसी सोच के साथ इसे खेल रहा हूं। मैंने वह हासिल करने का पक्का इरादा कर लिया है जो हमने अभी तक नहीं किया है।' उन्होंने कहा, 'टीम के पास आगे बढ़ने के लिए अनुभव और प्रतिभा है। हमने अच्छी तैयारी की है, और भरोसा बहुत है। भारतीय खेल हर जगह आगे बढ़ रहे हैं। हॉकी भी अलग नहीं है। हमने ओलंपिक पदक जीते हैं, और अब वर्ल्ड कप में आगे बढ़ने का समय है। '

मनप्रीत ने कहा, 'मुझे इस टीम पर पूरा भरोसा है। हमारी टीम में युवा और अनुभव का अच्छा बैलेंस है। हमारे कप्तान हरमनप्रीत सिंह, मंदीप सिंह और मैंने युवा खिलाड़ियों के साथ अपनी सीख साझा की है कि क्या काम किया, क्या नहीं, और हर मैच को पूरे फोकस के साथ कैसे खेलना है। टूर्नामेंट में हर मैच जरूरी है। हमें सही मनोदशा के साथ उतरना होगा, हर विपक्षी का सम्मान करना होगा और जीतने के लिए खेलना होगा। हमारे कोच ने फिटनेस पर जोर दिया है क्योंकि हम जानते हैं कि फिट रहने से हमें श्रेष्ठ के खिलाफ मुकाबला करने में मदद मिलती है। हमने अपने डिफेंस पर भी कड़ी मेहनत की है। एक मजबूत डिफेंस हमें अटैक करने और गेम पर नियंत्रण रखने का आत्मविश्वास देता है। '

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के बारे में मनप्रीत ने कहा कि वह एक बेहतरीन कप्तान हैं। वह आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व करते हैं और फील्ड पर सभी का मार्गदर्शन करते हैं। वह मुश्किल समय में खिलाड़ियों को प्रेरित भी करते हैं और दबाव में टीम को शांत रखते हैं। गेम को पढ़ने की उनकी क्षमता बेहतरीन है। उनकी पासिंग रेंज, चाहे लॉन्ग ओवरहेड्स हों या ग्राउंड पास, शानदार है। उन्होंने कहा, 'वह अच्छी तरह संवाद करते हैं और डिफेंस को असरदार तरीके से व्यवस्थित करते हैं। वह दुनिया के बेस्ट ड्रैग-फ्लिकर्स में से एक हैं। उनके हिट्स में जबरदस्त ताकत और विविधता है, और जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तो वह हमेशा आगे आते हैं। उनके जैसा कप्तान होने से पूरी टीम को आत्मविश्वास मिलता है। '

मनप्रीत को भरोसा है कि इंडिया फाइनल में पहुंचेगी और ऐतिहासिक सफलता की उम्मीद रखती है। भारतीय टीम हॉकी विश्व कप 1975 में आखिरी बार पदक जीती थी। टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 में लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने के बाद टीम इंडिया को उम्मीद है कि हॉकी विश्व कप 2026 में पदक का 51 साल का सूखा समाप्त होगा।

बैंकॉक में भारत का गौरव बढ़ाएंगी नन्हीं योग प्रतिभा वान्या शर्मा

एशिया पैसिफिक योगासन चैंपियनशिप में वान्या करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

10 देशों के खिलाड़ी होंगे आमने-सामने

नई दिल्ली,एजेसीं। योगासन के अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की युवा प्रतिभा वान्या शर्मा देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 4th UYSF Asia Pacific Yogasana Sports Championship 2026 का आयोजन 4 से 7 सितंबर 2026 तक बैंकॉक, थाईलैंड में किया जाएगा, जिसमें 10 देशों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कम उम्र में योगासन के क्षेत्र में अपनी मेहनत, लगन और शानदार प्रदर्शन से पहचान बनाने वाली वान्या शर्मा के लिए यह प्रतियोगिता एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि का अवसर है। भारत की ओर से प्रतियोगिता में भाग लेते हुए वान्या एशिया-प्रशांत क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगी।

यह चैंपियनशिप योगासन को खेल के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण आयोजन है। 10 देशों की भागीदारी इसे और भी खास बनाती है।

वान्या के बैंकॉक रवाना होने की खबर से परिवार, प्रशिक्षकों और शुभचिंतकों में खासा उत्साह है। सभी को उम्मीद है कि वान्या अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत का तिरंगा ऊंचा करेंगी और देश का नाम रोशन करेंगी।

'मेहनत की पहचान, योग का सम्मान–बैंकॉक में भारत की शान बनेंगी वान्या शर्मा। '

डार्विन टेस्ट: बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज तंजिद हसन ने शतकीय पारी से रचा इतिहास

डार्विन ,एजेसीं। बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज तंजिद हसन ने डार्विन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शतक लगाकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की। तंजिद ऑस्ट्रेलियाई धरती पर टेस्ट शतक लगाने वाले पहले बांग्लादेशी बल्लेबाज बन गए हैं। बांग्लादेश के लिए शादमान इस्लाम के साथ पारी की शुरुआत करने उतरे तंजिद हसन ने 190 गेंदों पर 101 रन की पारी खेली। इस पारी में 8 चौके और 1 छक्का शामिल था। तंजिद अपने शतक के ठीक बाद आउट हो गए, लेकिन उन्होंने न सिर्फ रिकॉर्ड बनाया, बल्कि अपनी टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मजबूत स्थिति में पहुंचाया। बता दें कि तंजिद हसन का यह दूसरा टेस्ट है। तंजिद की इस पारी ने पूर्व ओपनर हन्नान सरकार के 23 साल पुराने 76 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। हन्नान ने 2003 में केर्न्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 76 रन की पारी खेली थी। टी ब्रेक के समय तंजिद ने फॉक्स क्रिकेट पर कहा, 'यह मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि मैं पहली बार यहां हूं। वे मुझ पर बहुत अलग तरीके से आए, और मैं नॉर्मल क्रिकेट शॉट खेलने और खुद को शांत रखने की कोशिश कर रहा था। मैं ज्यादा कुछ करने की कोशिश नहीं कर रहा था। मैंने बस गेंद को खेला। ' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट के दूसरे दिन बांग्लादेश की स्थिति मजबूत हो गई है। पहले दिन (गुरुवार) को हसन महमूद की शानदार गेंदबाजी (55 रन देकर 6 विकेट) की बदौलत बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को 198 रन पर समेट दिया था। इसके बाद पहले दिन के खेल की समाप्ति तक बांग्लादेश ने 1 विकेट पर 96 रन बना लिए थे। दूसरे दिन का खेल शुरू होने पर भी बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर दबदबा बनाया। तंजिद के शतक के अलावा कप्तान नजमुल हसन शांतो ने भी 84 रन की पारी खेली। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 93 रन की अहम साझेदारी हुई।

डेब्यू मैच में शतक, लेकिन भारत के लिए नहीं मिले पर्याप्त मौके, खिलाड़ी से ज्यादा बतौर कोच कमाया नाम

प्रवीण आमरे

नई दिल्ली ,एजेसीं। भारत के पूर्व बल्लेबाज प्रवीण आमरे ने खिलाड़ी से ज्यादा बतौर कोच नाम कमाया। उन्होंने अपने डेब्यू मुकाबले में ही साउथ अफ्रीका जैसे मजबूत गेंदबाजी अटैक के खिलाफ शतक लगाया। हालांकि, अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें इंटरनेशनल स्तर पर अपनी काबिलियत दिखाने के पर्याप्त मौके नहीं मिले। प्रवीण आमरे का जन्म 14 अगस्त, 1968 को मुंबई में हुआ। प्रवीण एक साधारण परिवार से आते थे, तो शुरुआत में आर्थिक तंगी के चलते उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। प्रवीण ने क्रिकेट की बारीकियां सचिन तेंदुलकर को कोचिंग देने वाले कोच रमाकांत आरेकर की देखरेख में सीखी। घरेलू क्रिकेट में मुंबई का प्रतिनिधित्व करने के अलावा वह रेलवे, राजस्थान, बंगाल और गोवा की तरफ से भी खेले। 86 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में प्रवीण ने 48 की औसत से खेलते हुए 5,815 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 17 शतक और 25 अर्धशतक निकले। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें 1991 में पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली। प्रवीण अपने डेब्यू मुकाबले में ही छाप छोड़ने में सफल रहे और उन्होंने 74 गेंदों में 55 रनों की दमदार पारी खेलते हुए भारतीय टीम को रोमांचक मैच में 3 विकेट से जीत दिलाई। टेस्ट क्रिकेट में भी प्रवीण का डेब्यू यादगार रहा और उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही खेलते हुए 103 रनों की बेहतरीन पारी खेली। हालांकि, इस टेस्ट मैच का अंत ड्रॉ के रूप में हुआ।

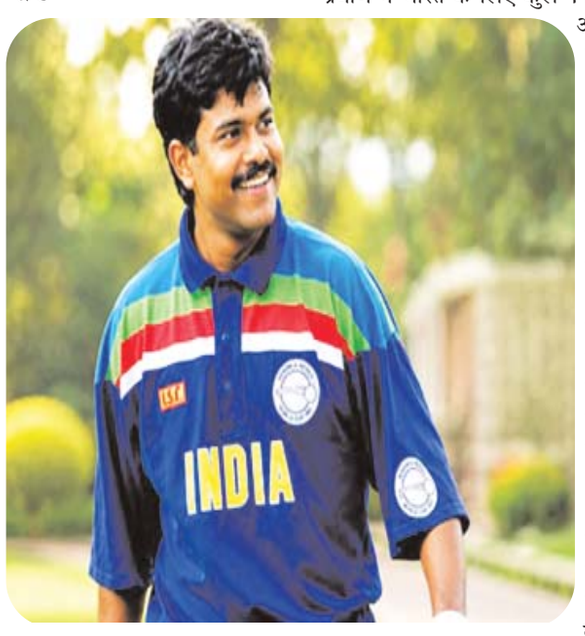

प्रवीण ने भारत के लिए कुल 11 टेस्ट मैच खेले और इस दौरान उनके बल्ले से 42 की औसत से 425 रन आए। उन्होंने एक शतक और 3 अर्धशतक लगाए। वनडे क्रिकेट में उन्होंने कुल 37 मैच खेले और 513 रन बनाए। हालांकि, प्रवीण को टेस्ट में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद पर्याप्त मौके नहीं मिले और उन्होंने भारतीय जर्सी में अपना आखिरी मुकाबला 1994 में खेला। हालांकि, बतौर कोच प्रवीण का करियर शानदार रहा। उन्होंने अपनी अगुवाई में भारत को साल 2012 में अंडर 19 विश्व कप का खिताब दिलाया। इसके अलावा, प्रवीण की कोचिंग में मुंबई ने घरेलू क्रिकेट में कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। मुंबई उनकी देखरेख में तीन बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता। अजिंक्य रहाणे, श्रेयस अय्यर और अभिषेक नायर समेत कई बेहतरीन खिलाड़ियों को इंटरनेशनल स्टेज के लिए तैयार करने में प्रवीण आमरे की भूमिका काफी अहम रही।

नई दिल्ली में 17 अगस्त से बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप, तृप्ति मुरगुंडे बोलीं- यह टूर्नामेंट नई पीढ़ी में जोश भरेगा

नई दिल्ली ,एजेसीं। हैदराबाद में 17 साल पहले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा ले चुकीं भारत की पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी तृप्ति मुरगुंडे का मानना है कि प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की भारत में वापसी पिछले एक दशक में देश के खेलों में हुई शानदार प्रगति का प्रतीक है। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 17-23 अगस्त के बीच इंदिरा गांधी स्टेडियम में खेली जाएगी। भारत दूसरी बार इस बैडमिंटन टूर्नामेंट की मेजबानी करने जा रहा है; इससे पहले 2009 में हैदराबाद इस प्रतियोगिता का वेन्यू था। मुरगुंडे ने 'साई मीडिया' से कहा, 'समूचे भारतीय खेल जगत के लिए काफी गर्व की बात है कि हमें 17 साल बाद फिर से इसकी मेजबानी मिली है। पिछले 8 से 10 वर्षों में भारतीय खेलों का प्रदर्शन शानदार रहा है। हमने कई तरह के इवेंट्स में बेहतरीन नतीजे देखे हैं और साथ ही इस तरह के इंटरनेशनल इवेंट्स की मेजबानी भी की है। यह अभी वाकई बहुत जरूरी और अहम है। '

मुरगुंडे के लिए इसका महत्व बैडमिंटन से कहीं बढ़कर है। उन्होंने अलग-अलग खेलों में बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को भारत लाने के बढ़ते प्रयासों की ओर इशारा करते हुए कहा कि बड़े इवेंट्स में बार-बार हिस्सा लेने से देश के खेल इकोसिस्टम पर गहरा असर पड़ता है। उन्होंने कहा, 'हमने खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया को भी यह कहते हुए सुना है कि हम सभी खेलों में इंटरनेशनल इवेंट्स के भारत आने का कितना बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। '

2009 के संस्करण में खेल चुकीं मुरगुंडे का मानना ??है कि घरेलू मैदान पर वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन भारतीय शटलर्स की मौजूदा पीढ़ी के लिए बहुत मायने रखता है। दिल्ली में अनुभवी खिलाड़ियों और नए खिलाड़ियों की मिली-जुली टीम उतारने की तैयारी के बीच, उनका मानना ??है कि युवा खिलाड़ियों को घरेलू मैदान पर खेलने से बहुत फायदा होगा। उन्होंने कहा, 'आने वाले खिलाड़ियों के लिए यह सबसे बेहतरीन प्लेटफॉर्म है, क्योंकि उन्हें अपने होम ग्राउंड पर अपना हुनर और प्रदर्शन दिखाने का शानदार मौका मिल रहा है। '

कॉमनवेल्थ गेम्स 2006 की मेडलिस्ट ने कहा, 'जब आप अपने होम ग्राउंड पर खेलते हैं, तो माहौल बिल्कुल अलग होता है। हमने देखा है कि जब इंडिया ओपन या भारत में कोई और बड़ा इवेंट होता है, तो इससे हमेशा बहुत फर्क पड़ता है। युवाओं के लिए, अपने ही देश में ऐसे इवेंट्स का अधिक से अधिक आयोजन होना उनके लिए बहुत आसान और बेहतर होता है। इसका सकारात्मक प्रभाव लंबे समय तक रहता है।

तिरंगा यात्रा के दूसरे दिवस माँ दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर उप मुख्यमंत्री एवं वन मंत्री ने किया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। तिरंगा यात्रा के दूसरे दिवस उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं वन मंत्री केदार कश्यप ने माँ दंतेश्वरी मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात दंतेवाड़ा बस स्टैंड में आयोजित तिरंगा यात्रा कार्यक्रम को संबोधित किया। जिले के 211 वीर बलिदानी जवानों को उप मुख्यमंत्री ने किया नमन उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि दंतेवाड़ा जिले के 211 सर्वोच्च बलिदानी वीर जवानों को नमन करते हुए कहा कि बस्तर की जनता, समाज प्रमुखों, जनप्रतिनिधियों और पत्रकारों के अमूल्य सहयोग से आज नक्सलवाद का खात्मा संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा उन क्षेत्रों से गुजर रही है, जहां कभी नक्सल आतंक के कारण पहुंचना भी मुश्किल था। आज उन्हीं क्षेत्रों में पूरे गौरव और उत्साह के साथ तिरंगा लहराया जा रहा है। वन मंत्री केदार कश्यप ने की हर घर तिरंगा लगाने की अपील वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। उन्होंने तिरंगा यात्रा को सफल बनाने के लिए आमजनों से अपने घरों में तिरंगा लगाने तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ हर घर तिरंगा अभियान में सहभागिता निभाने की अपील की। सांसद महेश कश्यप ने बताया ऐतिहासिक गर्व का क्षण बस्तर सांसद महेश कश्यप ने तिरंगा यात्रा को ऐतिहासिक गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि यह यात्रा उन क्षेत्रों से गुजर रही है, जहां कभी वीर जवानों ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया था और नक्सल आतंक के चलते जहां किसी का पहुंचना संभव नहीं था। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सफल मार्गदर्शन में नक्सलवाद का खात्मा हुआ है और इन क्षेत्रों में विकास तथा राष्ट्रभक्ति का नया वातावरण बना है। इस दौरान विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य मती ओजस्वी मंडावी, नगर पालिका अध्यक्ष मती पायल गुप्ता, जनपद पंचायत अध्यक्ष मती सुनीता भास्कर, जनप्रतिनिधि सहित बस्तर आईजी बद्रीनाथ मीणा, डीआईजी कमलोचन कश्यप, कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव, पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह, डीएफओ रामकृष्ण रंगनाथ वाय एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

वन मंत्री केदार कश्यप ने 'विभाजन की विभीषिका' छायाचित्र प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सुकमा जिला मुख्यालय के बस स्टैंड परिसर में 'हर घर तिरंगा', 'वंदे मातरमे और 'भारत विभाजन की विभीषिका-स्मरण दिवस' विषय पर आधारित तीन दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ वन एवं जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने किया। इस अवसर पर दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी भी उपस्थित रहे। यह प्रदर्शनी कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशानुसार लगाई गई है। बस्तर तिरंगा यात्रा के दौरान बाइक रैली से बस स्टैंड पहुंचे वन मंत्री कश्यप ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और प्रदर्शित छायाचित्रों की जानकारी ली। विभाजन की पीड़ा और इतिहास से सीख का संदेश प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि यह प्रदर्शनी 1947 में देश के विभाजन के दौरान लोगों द्वारा झेली गई पीड़ा, विस्थापन और कठिन परिस्थितियों को सामने लाती है। उन्होंने कहा कि इतिहास की ऐसी घटनाओं को याद रखना जरूरी है, ताकि समाज में एकता, सद्भाव और राष्ट्रीय अखंडता की भावना मजबूत हो। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रदर्शित छायाचित्रों के माध्यम से विभाजन के समय विस्थापित लोगों के दर्द और संघर्ष को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। 'वंदे मातरम्' और 'हर घर तिरंगा' का संदेश वन मंत्री कश्यप ने कहा कि 'वंदे मातरम्' स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्ति और राष्ट्रीय चेतना का प्रेरणादायक प्रतीक रहा है। इसने स्वतंत्रता सेनानियों में देश के लिए बलिदान की भावना को मजबूत किया।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अपील पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत 9 से 17 अगस्त तक प्रदेशभर में विभिन्न देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपने घरों में तिरंगा फहराकर राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान प्रकट करने की अपील की। प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर डीएफओ अक्षय भोंसले, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, स्कूली छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

छात्राओं के सपनों को मिलेगी नई उड़ान, केशवपुर में कन्या छात्रावास का होगा शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। अंबिकापुर के केशवपुर स्थित स्वामी आत्मानंद महाविद्यालय की छात्राओं के लिए 14 अगस्त का दिन नई सुविधा और नई उम्मीद लेकर आएगा। महाविद्यालय परिसर में नवनिर्मित कन्या छात्रावास भवन का शुभारंभ दोपहर 1 बजे आयोजित समारोह में किया जाएगा। पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। सुरक्षित और सुविधाजनक आवासीय वातावरण की मिलेगी सुविधा कन्या छात्रावास भवन के शुभारंभ से महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी। विशेष रूप से दूर-दराज क्षेत्रों से शिक्षा प्राप्त करने के लिए आने वाली छात्राओं के लिए यह सुविधा महत्वपूर्ण साबित होगी। छात्राओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण मिलने से वे बिना किसी आवासीय कठिनाई के अपनी पढ़ाई पर बेहतर ढंग से ध्यान केंद्रित कर सकेंगी। जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में होगा कार्यक्रम समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, जिला पंचायत सरगुजा की अध्यक्ष मती निरूपा सिंह, उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, सदस्य मती पायल सिंह तोमर, जनपद पंचायत अम्बिकापुर के अध्यक्ष विक्रम सोनपाकर, उपाध्यक्ष सतीश यादव एवं सदस्य मती सरिता मानिकपुरी उपस्थित रहेंगी। शिक्षा के लिए बेहतर वातावरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम छात्रावास की सुविधा से छात्राओं को आवास, अध्ययन और सुरक्षा से जुड़ी बेहतर सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकेंगी। इससे छात्राओं की शिक्षा को निरंतर आगे बढ़ने के साथ ही उच्च शिक्षा के प्रति उनका उत्साह भी बढ़ेगा। कन्या छात्रावास का शुभारंभ छात्राओं के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

सीआरपीएफ 211 वाहिनी की भव्य तिरंगा यात्रा ने जगाई देशभक्ति की भावना

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत हजारों लोगों को राष्ट्रीय ध्वज वितरित, युवाओं और बच्चों को किया प्रेरित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत सीआरपीएफ की 211वीं वाहिनी ने आज नया रायपुर, अभनपुर, राजिम, फिंगेश्वर और जामगांव सहित कई स्थानों पर भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। पूरे कार्यक्रम में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान का संदेश दिया गया। कमान्डेंट डॉ. विनोद कुमार टंडन के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान की शुरुआत थनौद (नया रायपुर) स्थित 211वीं वाहिनी मुख्यालय से हुई। अधिकारियों और जवानों ने तिरंगा लेकर यात्रा शुरू की और लोगों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया।*हर घर तिरंगा लगाने का दिया संदेश तिरंगा यात्रा रावतपुरा सरकार चिकित्सा विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, बालको मेडिकल सेंटर, शासकीय हाई स्कूल ठेलकाबांधा,

राजिम, फिंगेश्वर और जामगांव पहुंची। सभी स्थानों पर नागरिकों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, स्वास्थ्यकर्मियों और जनप्रतिनिधियों ने यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया। सीआरपीएफ के जवानों ने बड़ी संख्या में तिरंगे वितरित किए और लोगों से स्वतंत्रता दिवस पर गर्व के साथ अपने घरों में तिरंगा फहराने की अपील की।बच्चों और युवाओं में दिखा उत्साह राजिम के पंडित रामबिशाल पांडेय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय में विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों और स्वागत कार्यक्रम से जवानों का अभिनंदन किया। विद्यालय के इको क्लब के बच्चों ने बताया कि उन्होंने इस वर्ष चार लाख सीड बॉल तैयार किए हैं और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। फिंगेश्वर के शासकीय ठाकुर दलगंजन हायर सेकेंडरी स्कूल में कमान्डेंट डॉ. टंडन ने अपने छात्र जीवन की यादें साझा कीं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे मेहनत, अनुशासन और देश सेवा की भावना के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करें। इस अवसर पर शिक्षिकाओं ने सीआरपीएफ के जवानों को राखी बांधकर सम्मानित किया।गुरुजनों का लिया आशीर्वाद जामगांव के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में डॉ. टंडन ने अपने गुरु कुमार निषाद से आशीर्वाद लिया और विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम ही देश को मजबूत बनाते हैं। देशभक्ति और जन-जागरूकता का संदेश सीआरपीएफ 211वीं वाहिनी की इस तिरंगा यात्रा का उद्देश्य हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुंचाना, युवाओं और बच्चों में राष्ट्रप्रेम की भावना जगाना तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान बढ़ाना था। कार्यक्रम के अंत में कमान्डेंट डॉ. विनोद कुमार टंडन ने सभी संस्थानों, नागरिकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और सहयोगी संगठनों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सेकेंड कमांडेंट प्रज्ञेश कुमार अटल, डिप्टी कमांडेंट इकबाल अहमद, असिस्टेंट कमांडेंट अनिल कुमार राय सहित सीआरपीएफ के अधिकारी और जवान उपस्थित रहे। तिरंगा यात्रा ने पूरे क्षेत्र में देशभक्ति का उत्साह भर दिया और हर नागरिक को यह संदेश दिया कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान का प्रतीक है।

तंबाकू पर शिकंजा कसने की तैयारी, कोटपा के कड़े अमल से बनेगा तंबाकू मुक्त छत्तीसगढ़

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। तंबाकू के सेवन पर रोक और इसके दुष्प्रभावों से लोगों को बचाने के लिए छत्तीसगढ़ में अब कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ जनभागीदारी और बहुक्षेत्रीय समन्वय पर जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) के तहत गुरुवार को स्वास्थ्य भवन, नवा रायपुर में 'सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003' (कोटपा) के कड़े क्रियान्वयन को लेकर एक दिवसीय उन्मुखीकरण सह प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता अपर संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं इंद्रजीत बर्मन ने की। कार्यशाला में मुंबई से पहुंचीं वाइटल स्ट्रैटजीज की मुख्य वक्ता डॉ. चंद्रावली मदान ने तंबाकू सेवन से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान और लोगों को सिगरेट व अन्य तंबाकू उत्पादों से दूर रखने के उपायों पर जानकारी दी। वहीं

वाइटल स्ट्रैटजीज की डॉ. हंसा कंडू ने राज्य में तंबाकू नियंत्रण कानून को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न विभागों और संस्थाओं की बहुक्षेत्रीय सहभागिता की आवश्यकता पर विचार साझा किए। प्रशिक्षण के दौरान विशेष रूप से नाबालिगों तक तंबाकू उत्पादों की पहुंच और उपलब्धता कम करने के उपायों पर चर्चा की गई, ताकि कम उम्र में तंबाकू सेवन की शुरुआत को रोका जा सके। कार्यशाला में तंबाकू मुक्त समुदाय, तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान और तंबाकू मुक्त गांव की दिशा में किए जाने वाले प्रयासों के साथ जिला स्तर पर एमआईएस की प्रगति और उसके अपडेट की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को कोटपा के प्रावधानों के प्रभावी पालन और मैदानी स्तर पर निगरानी को मजबूत करने से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। अपर संचालक इंद्रजीत बर्मन ने राज्य में तंबाकू के उपयोग को कम करने के लिए जागरूकता गतिविधियों के साथ वैधानिक प्रावधानों को सख्ती से लागू करने पर जोर दिया। प्रशिक्षण में जिला स्तर से आए जिला नोडल अधिकारी (एनटीसीपी), जिला सलाहकार (एनटीसीपी), सामाजिक कार्यकर्ता, दंत शल्य चिकित्सक एवं दंत चिकित्सक, खाद्य एवं औषधि विभाग के प्रतिनिधि तथा जिला एनजीओ सहयोगियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के प्रति व्यापक जन-जागरूकता बढ़ाने के साथ तंबाकू उत्पादों की उपलब्धता, आपूर्ति और उपयोग को कम करने के लिए मैदानी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई की क्षमता विकसित करना रहा। स्वास्थ्य विभाग का जोर कानून के सख्त पालन, विभागीय समन्वय और जनभागीदारी के माध्यम से राज्य में तंबाकू मुक्त वातावरण तैयार करने पर है।

श्रमिक या उनके दो बच्चों को मिलेगी प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य सरकार श्रम विभाग के माध्यम से श्रमिक और उनके दो बच्चों के कैरियर के लिए निशुल्क कोचिंग योजना संचालित कर रही है। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निःशुल्क कोचिंग सहायता योजना मुख्य रूप से संचालित है। पात्रता के लिए मंडल में पंजीकृत श्रमिक की एक वर्ष की नियमित सदस्यता होना आवश्यक है। योजना के तहत पंजीकृत श्रमिक अथवा उनके प्रथम दो संतानों को ही योजना का लाभ देय होगा। देय लाभ मंडल अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके संतानों को शैक्षणिक योग्यता अनुरूप प्रतियोगिता परीक्षाओं जैसे- सीजीपीएससी (लोक सेवा आयोग), सीजी व्यापम (छ. ग. व्यावसायिक परीक्षा मंडल), एसएससी (कर्मचारी चयन आयोग). आईबीपीएस (बैंकिंग) (रेल्वे), (पुलिस भर्ती परीक्षा) हेतु चयनित कोचिंग संस्थानों के माध्यम से निःशुल्क कोचिंग प्रदान किया जाएगा। आवश्यक दस्तावेज में प्रशिक्षणार्थी का आधार कार्ड, श्रमिक पंजीयन कार्ड, योजना के संबंध में स्व-घोषणा प्रमाण पत्र (श्रमिक का), प्रशिक्षणार्थी का शैक्षणिक योग्यता संबंधी प्रमाण पत्र (अंकसूची) की प्रति शामिल है। श्रम विभाग अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत निर्माण मजदूरों का एवं असंगठित कर्मकार मंडल के अंतर्गत असंगठित कर्मकारों का पंजीयन किया जाता है। 'श्रमिक पंजीयन' विभाग के अंतर्गत श्रमिक पंजीयन निःशुल्क है एवं किसी भी सेवा सेतु सेंटर अथवा किसी भी कम्प्यूटर के द्वारा किया जा सकता है।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' पर राज्य स्तरीय आयोजन 14 अगस्त को

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भारत विभाजन की विभीषिका में असंख्य परिवारों द्वारा झेली गई पीड़ा, विस्थापन और संघर्ष को स्मरण करने तथा नई पीढ़ी को इतिहास के इस महत्वपूर्ण अध्याय से परिचित कराने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। राजधानी रायपुर के मुक्ताकाशी मंच, संचालनालय पुरातत्व परिसर, लोकभवन के पास, सिविल लाइन्स में दोपहर 12:30 बजे आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय होंगे। समारोह की अध्यक्षता संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल करेंगे। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। प्रख्यात फिल्मकार एवं अभिनेता डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी समारोह के मुख्य वक्ता होंगे। विभाजन की पीड़ा और मानवीय संघर्ष पर होगा विमर्श 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के राज्य स्तरीय आयोजन में वर्ष 1947 के भारत विभाजन के दौरान लाखों लोगों द्वारा झेले गए विस्थापन, पीड़ा और संघर्ष की स्मृतियों को साझा किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य विभाजन की त्रासदी को केवल इतिहास की एक घटना के रूप में नहीं, बल्कि उससे प्रभावित परिवारों के संघर्ष, साहस और नए सिरे से जीवन खड़ा करने की अदम्य जिजीविषा के रूप में भी नई पीढ़ी के सामने प्रस्तुत करना है। इस अवसर पर विभाजन की विभीषिका और उस दौर की परिस्थितियों पर केंद्रित विशेष प्रदर्शनी एवं स्मृति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विभाजन से प्रभावित सिंधी, पंजाबी और बंगाली समाज के प्रतिनिधि वक्ता अपने परिवारों एवं समाज से जुड़ी स्मृतियों और अनुभवों को साझा करेंगे। कार्यक्रम में स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे, जिससे वे इतिहास के इस अध्याय और विभाजन की मानवीय पीड़ा को निकटता से समझ सकें। समारोह के मुख्य वक्ता डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी भारतीय इतिहास, संस्कृति और साहित्य को सिनेमा तथा टेलीविजन के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने के लिए विख्यात हैं। लोकप्रिय धारावाहिक 'चाणक्य' से देशभर में विशिष्ट पहचान बनाने वाले डॉ. द्विवेदी ने भारत विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित चर्चित फिल्म 'पिंजर' का निर्देशन भी किया है। वे समारोह में विभाजन की ऐतिहासिक-सामाजिक पृष्ठभूमि, उसकी मानवीय त्रासदी और उससे जुड़ी स्मृतियों पर अपने विचार रखेंगे। कार्यक्रम में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति श्री सच्चिदानंद शुक्ल भी अपने विचार व्यक्त करेंगे। आयोजन में प्रबुद्ध नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, साहित्यकारों, शिक्षाविदों, विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों तथा मीडिया प्रतिनिधियों की उपस्थिति रहेगी।

तिपहिया स्कूटी से बढ़ेगी दिव्यांगजनों की आत्मनिर्भरता : अरुण साव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा स्थानीय विधायक अरुण साव ने आज लोरमी के मानस मंच में 11 दिव्यांगजनों को तिपहिया स्कूटी वितरित की। उन्होंने कहा कि स्कूटी से इनका आवागमन आसान होगा और वे जरूरी कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर हुए बिना आगे बढ़ सकेंगे।साव ने कहा कि दिव्यांगजनों को बेहतर सुविधाएं देकर सम्मान के साथ आत्मनिर्भर जीवन के अवसर देना साय सरकार की प्राथमिकता है। तिपहिया स्कूटी उनके लिए सुविधा के साथ आत्मनिर्भरता का माध्यम बनेगी। उन्होंने सभी लाभार्थियों को बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।सर्प मित्रों को दिए सुरक्षा किट उप मुख्यमंत्री साव ने सर्प मित्र सुरेश यादव और प्रदीप निषाद को सर्प रेस्क्यू के लिए सुरक्षा किट प्रदान की। उन्होंने कहा कि इससे सर्प मित्र सुरक्षित तरीके से अपना सेवा कार्य कर सकेंगे। कार्यक्रम में लोरमी नगर पालिका के अध्यक्ष सुजीत वर्मा, जनपद अध्यक्ष वर्षा सिंह, जिला पंचायत सदस्य रत्ना काटले, कोमलगिरी गोस्वामी, राजेंद्र साहू, डॉ. अशोक जायसवाल, दीनानाथ केशरवानी और अंजना दास सहित पार्षदगण, एल्डरमैन एवं नगरवासी मौजूद थे।

केदमा में तिरंगे की शान के साथ विकास की नई सौगातें भव्य तिरंगा यात्रा के साथ 2.42 करोड़ रूपए के विद्युत सब-स्टेशन का लोकार्पण और महतारी सदन का भूमिपूजन

हमारी माताएं-बहनें जितनी सशक्त होंगी, छत्तीसगढ़ उतना ही समृद्ध और मजबूत बनेगा - राजेश अग्रवाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व अंबिकापुर जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम केदमा में राष्ट्रभक्ति, विकास और महिला सशक्तिकरण का अनूठा संगम देखने को मिला। ग्राम केदमा में आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री एवं अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर ग्रामवासियों को विकास की दो महत्वपूर्ण सौगातें मिलीं। मंत्री अग्रवाल ने 2 करोड़ 42 लाख की लागत से निर्मित विद्युत सब-स्टेशन का लोकार्पण किया तथा महतारी सदन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। तिरंगा यात्रा के दौरान राष्ट्रीय एकता, अखंडता, भाईचारे और राष्ट्रप्रेम का संदेश जन-जन तक पहुंचा। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व आयोजित इस यात्रा ने क्षेत्र में देशभक्ति की

भावना को और प्रबल किया। महतारी सदन के भूमिपूजन के अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि हमारी माताएं-बहनें जितनी सशक्त होंगी, छत्तीसगढ़ उतना ही समृद्ध और मजबूत बनेगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बिना समाज और क्षेत्र का समग्र विकास संभव नहीं है। महिलाओं को बेहतर सुविधाएं, अवसर और अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए मंच उपलब्ध कराना विकास की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि एक ओर हाथों में तिरंगा लेकर निकली तिरंगा यात्रा ने पूरे क्षेत्र को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया, वहीं दूसरी ओर विकास कार्यों की सौगात ने ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर बुनियादी सुविधाओं और महिला सशक्तिकरण की दिशा में नई उम्मीद जगाई। बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की सहभागिता से कार्यक्रम उत्साह और उमंग से भर उठा।तिरंगे के साथ गूंजे भारत माता के जयकारे ग्राम केदमा में निकली तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामे लोगों ने भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय हिंद के नारों से वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। युवाओं के साथ महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी ने यात्रा को भव्य स्वरूप प्रदान किया। तिरंगा यात्रा में शामिल होकर मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान के कारण आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। राष्ट्र की एकता, अखंडता और सम्मान को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा जैसे आयोजन नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना को मजबूत करते हैं और समाज में एकता तथा भाईचारे का संदेश देते हैं। ग्राम केदमा की तिरंगा यात्रा भी इसी राष्ट्रभावना की सशक्त अभिव्यक्ति है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा